राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 27 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–332 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने 'वीर बाल दिवस' के कार्यक्रम में शामिल हुए

भारत 'गुलामी की मानसिकता' से बाहर निकल रहा-पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज देश वीर साहिबजादों के अमर बलिदान को याद कर रहा है और उनसे प्रेरणा ले रहा है। आजादी के अमृतकाल में वीर बाल दिवस के रूप में एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। पिछले वर्ष 26 दिसंबर को देश ने पहली बार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाया था तब पूरे देश में सभी ने भाव विभोर होकर साहिबजादों के वीर कथाओं को सुना था। वीर बाल दिवस भारतीयता रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती।

नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि वीर बाल दिवस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मनाया जाने

लगा है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्र और ग्रीस में भी वीर बाल दिवस से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। भारत के वीर साहिबजादों को पूरी दुनिया और ज्यादा जानेगी, उनके महान करतूतों से सीखेगी।

पीएम मोदी ने कहा जब तक हमने अपनी विरासत का सम्मान नहीं किया, दुनिया ने भी हमारी विरासत को भाव नहीं दिया। आज जब हम अपनी विरासत पर गर्व कर रहे हैं, तो दुनिया का भी नजरिया बदला है।

मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि आज का भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। आज के भारत को अपने लोगों पर, अपने सामर्थ्य पर,अपनी प्रेरणाओं पर पूरा-पूरा भरोसा है। आज के भारत के लिए साहिबजादों का बलिदान राष्ट्रीय प्रेरणा का विषय है। आज के भारत में भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान, गोविंद गुरु का बलिदान पूरे राष्ट्र को प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज भारत, दुनिया के उन देशों में से है, जो देश सबसे ज्यादा युवा देश है। इतने युवा तो भारत के आजादी की लड़ाई के समय में भी नहीं थे। जब उस युवाशक्ति ने देश को आजादी दिलाई, तो आज की युवाशक्ति भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है वह कल्पना से परे है।

मोदी बोले आने वाले 25 साल हमारी युवाशक्ति के लिए बहुत बड़ा अवसर लेकर आ रहे हैं। भारत का युवा किसी भी क्षेत्र में, समाज में पैदा हुआ हो उसके सपने असीम हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के ?पास स्पष्ट रोड मैप है, स्पष्ट विजन है, स्पष्ट नीति है और नीयत में कोई खोट नहीं है।

एकजुट नहीं मुसलमान, 18 फीसदी आबादी के बाद भी लीडरशिप नहीं; सुखबीर बादल का बयान

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने देश के मुसलमानों पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में सिखों के बजाय मुसलमानों की ज्यादा आबादी है, लेकिन वे संगठित नहीं है, इसलिए उनके पास लीडरशिप नहीं है। हम उनके 18 प्रतिशत आबादी के मुकाबले सिर्फ 2 फीसदी हैं, पर श्री अकाल तख्त साहिब के तहत एक साथ हैं। बादल ने इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी हमला बोला। कहा कि वे उन्हें सिख नहीं मानते, क्योंकि वे सिखों का इतिहास नहीं जानते हैं। पगड़ी सिर्फ इसलिए पहनते हैं ताकि दिखा सकें कि वे सिख हैं। दिल्ली में सिख समूहों के साथ एक बैठक में शिरोमणि अकाली दल के चीफ सुखबीर सिंह बादल ने कहा, ÷मैं उन्हें (भगवंत मान) सिख नहीं मानता। वह यह दिखाने के लिए पगड़ी पहनते हैं कि वह एक सिख हैं। वह सिखों का इतिहास नहीं जानते। जब हम उन्हें देखते हैं और उनके बयान सुनते हैं तो हमें दुख होता है।÷ बादल ने यह भी दावा किया कि पंजाब सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा चलायी जा रही है। अकाली नेता ने कहा, ÷वे (आप) पंजाब को लूट रहे हैं और अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री हैं, भगवंत मान नहीं।

मुस्लिम और सिख आबादी की तुलना

बादल ने कहा, देश में मुसलमानों की आबादी लगभग 18 प्रतिशत है लेकिन उनके पास कोई नेतृत्व नहीं है क्योंकि वे एकजुट नहीं हैं। हम 2 प्रतिशत हैं लेकिन हम श्री अकाल तख्त साहिब के तहत एकजुट हैं। बादल ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने 2022 के पंजाब चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता में आई। 117 सदस्यीय विधानसभा में 92 सीटें हासिल की और कांग्रेस को पछाड़ दिया जो 18 सीटें जीतने में कामयाब रही। 61 वर्षीय नेता ने पार्टी की दिल्ली राज्य इकाई के अध्यक्ष एस परमजीत सिंह सरना के आवास पर श्री पटना साहिब (बिहार) और मुंबई (महाराष्ट्र) की सिख संगत के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने घोषणा की कि शिरोमणि अकाली दल सिख आबादी वाले सभी राज्यों में पार्टी इकाइयां स्थापित करेगा।

पाकिस्तान से बात करो वरना कश्मीर का होगा गाजा जैसा हाल; क्या बोल रहे फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद फारूक अब्दुल्ला ने एक बार फिर पाकिस्तान राग अलापा है। उन्होंने भारत सरकार पर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से बात करने की अपील की है। साथ ही में वार्ता में हो रही देरी को लेकर भी केंद्र पर सवाल उठाए हैं। इस दौरान उन्होंने चेतावनी भी दे दी कि हमारा हाल भी गाजा जैसा हो जाएगा। मंगलवार को अब्दुल्ला ने कहा, %अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि दोस्त बदले जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदले जा सकते। अगर हम हमारे पड़ोसियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखेंगे, तो दोनों प्रगति करेंगे। पीएम मोदी ने भी कहा था कि युद्ध अभी विकल्प नहीं है और मामला वार्ता के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वार्ता कहा है? नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन क्या कारण है कि हम बातचीत के लिए तैयार नहीं

हैं? अगर हम वार्ता के जरिए समाधान नहीं निकालेंगे, तो हमारा हाल भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा होगा, जिसपर इजरायल बमबारी कर रहा है...। खास बात है कि अब्दुल्ला की तरफ से बयान ऐसे समय पर आया है, जब हाल ही में पुंछ में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। इसके अलावा बारामूला में रिटायर हो चुके पुलिस अधिकारी को मस्जिद के अंदर ही गोली मार दी गई थी। इतना ही नहीं जवानों की तरफ से पूछताछ किए जाने के बाद तीन आम नागरिकों को भी मार दिया गया था।

पाकिस्तान में चुनाव

हाल ही में पाकिस्तान के चुनाव आयोग की तरफ से चुनाव कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। मुल्क में 8 फरवरी 2024 को चुनाव होने हैं। फिलहाल, श्रृष्टक उम्मीदवारों की तरफ से दाखिल नामांकन दस्तावेजों की जांच कर रही है। यह प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी। नामांकन दस्तावेजों पर दावे और आपत्तियां 3 जनवरी तक दर्ज कराए जा सकेंगे और 10 जनवरी तक इनपर फैसला आ जाएगा। आयोग 11 जनवरी को उम्मीदवारों की सूची जारी करने जा रहा है।

ललन सिंह के जेडीयू अध्यक्ष पद से इस्तीफे की चर्चा, 29 की मीटिंग में नीतीश लेंगे फैसला?

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के इस्तीफे की चर्चा तेज है। सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि ललन सिंह ने अपना इस्तीफा सीएम नीतीश को भेज दिया है। जेडीयू की दिल्ली में 29 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं परिषद की बैठक होने वाली है। इसमें इस्तीफे पर फैसला लिया जाएगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए नीतीश कुमार खुद पार्टी की कमान अपने हाथों में ले सकते हैं। हालांकि, जेडीयू की ओर से इस बात का खंडन किया गया है। पार्टी का दावा है कि ललन सिंह अपने पद पर बने हुए हैं और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक ललन सिंह की पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात हुई थी। इस दौरान वित्त मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद थे। तीनों नेताओं के बीच

बहुत देर तक मंत्रणा हुई थी। कहा जा रहा है कि उसी दिन ललन सिंह ने सीएम नीतीश से पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने का कह दिया था। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार खुद ललन को अपनी गाड़ी में उनके आवास पर छोड़कर आए थे। बताया जा रहा है कि ललन सिंह के इस्तीफे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। जेडीयू की 29 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक में इस पर निर्णय संभव है। इसमें नीतीश कुमार खुद पार्टी की कमान अपने हाथ में ले सकते हैं या फिर किसी नए नेता को अध्यक्ष पद पर बैठा सकते हैं। कयास ये भी है कि ललन सिंह के इस्तीफे को नीतीश नामंजूर भी कर कर सकते हैं। बिहार के सियासी गलियारों में यह मामला गर्माया हुआ है। हालांकि, जेडीयू ने ललन सिंह के इस्तीफे की बात से इनकार कर दिया है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि अभी तक ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। ललन के इस्तीफे की अटकलें गलत हैं।

ललन सिंह बस केयरटेकर थे, जेडीयू में नीतीश ही काम करते हैं; इस्तीफे की अटकलों पर बीजेपी का तंज-कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह के कामकाज से नाराज चल रहे हैं। लालू और तेजस्वी यादव से उनकी बढती नजदीकियां सीएम को रास नहीं आई। साथ ही इंडिया गठबंधन में पार्टी की ओर से समुचित पक्ष न रखे जाने को लेकर भी नीतीश कुमार ललन सिंह से खुश नहीं हैं। बीजेपी सांसद एवं पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने भी हाल ही में लालू से करीबी के चलते ललन सिंह को नीतीश द्वारा पद से हटाए जाने का दावा किया था।

हरिद्वार में ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से 6 की मौत, 2 की हालत गंभीर

मंगलौर। उत्तराखंड के हरिद्वार में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। मंगलवौर के लहबोली गांव के निकट माजरा मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने 6 लोगों की दबने से मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली मंगलौर क्षेत्र के तहत गांव लहबोली में शानवी ब्रिक्स फील्ड नामक ईंट भट्ठा है। यहां सुबह करीब 7 बजे हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि 8 मजदूर साथ बैठकर हाथ सेंक रहे थे। पास में ही कच्चे ईंट की दीवार थी जो अचानक भरभराकर गिर गई। सभी मजदूर इसमें दब गए। ईंट ढोने वाले कुछ पशुओं की मौत भी हुई है। जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर मजदूरों को निकाला गया। तब तक 5 दम तोड़ चुके थे। एक की मौत अस्पताल में हो गई। दो की हालत गंभीर है।

इनकी गई जान

1 . मुकुल पुत्र सुभाष निवासी ग्राम उदलहेडी थाना कोतवाली मंगलौर जनपद हरिद्वार आयु 26 वर्ष।

2. साबिर पुत्र महबूब आयु 20 वर्ष निवासी ग्राम मिमलाना जनपद मुजफ्फरनगर।

3.अंकित पुत्र धर्मपाल आयु 40 वर्ष निवासी ग्राम उदलहेडी थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार।

4. बाबूराम पुत्र कालूराम निवासी, आयु 50 वर्ष, ग्राम लाहबोली थाना कोतवाली मंगलौर जनपद हरिद्वार।

5.जग्गी पुत्र बिसम्बर निवासी ग्राम पित्रा जनपद मुजफ्फरनगर।

6. समीर पुत्र महबूब निवासी ग्राम मिमलाना जनपद मुजफ्फरनगर की उपचार के दौरान चिकित्सालय में मृत्यु हो गई है।

2 की हालत गंभीर

1. रवि पुत्र राजकुमार निवासी बड़ोद जनपद बागपत

2. इंतजार पुत्र लतीफ निवासी जनपद सहारनपुर

घने कोहरे में डूबा आधा भारत, दिल्ली समेत इन शहरों में अलर्ट जारी; यहां होगी बारिश

नई दिल्ली। दिसंबर जैसे-जैसे बिताता जा रहा है वैसे-वैसे मौसम तेजी से करवट ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, यूपी, बिहार समेत उत्तर भारत के कई हिस्से ठंड की चपेट में हैं। कड़ाके की सर्दी में घने कोहरे की मार भी जारी है। मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां आज प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब श्रेणी में है। पश्चिम और दक्षिण पश्चिम दिल्ली में यलो अलर्ट जारी हुआ है। उत्तर दिल्ली, उत्तर पूर्व दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, दक्षिण पूर्व दिल्ली और दक्षिण दिल्ली को लेकर कोहरे का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में भी ऑरेंज अलर्ट है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी और एमपी में सुबह के वक्त घना कोहरा

छाया रहेगा। 26 दिसंबर से 28 दिसंबर तक इन इलाकों में घना से बहुत ज्यादा घना कोहरा देखने को मिल सकता है। अगले दो दिन तक कोहरे के प्रकोप में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी रहने वाले हैं। बता दें कि ओडिशा, उत्तराखंड, असम और मेघालय में भी ठंड के बीच कोहरा परेशानियां बढ़ा सकता है। देश के कई हिस्सों में 30 दिसंबर तक कोहरा ऐसे ही कहर ढाने वाला है। इस तरह करीब आधा भारत घने कोहरे में डूबा नजर आ रहा है।

तमिलनाडु समेत इन राज्यों में बारिश के आसार

मौसम विभाग ने 30 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच बारिश की भी संभावना जताई है। रिपोर्ट में कहा गया कि तमिलनाडु के तटीय इलाके उत्तर-पूर्वी हवाओं की चपेट में हैं और बरसात के आसार बन रहे हैं। इसके अलावा, अगले 5 दिनों तक केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी मौसम बिगड़ने वाला है। इन राज्यों के अलग-अलग हिस्सों में बदरा बरस सकते हैं। हालांकि, इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। ऐसे में नए साल के मौके पर न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। न्यू ईयर का जश्न कुछ फीका भी पड़ सकता है।

कश्मीर में न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी

कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी है। मंगलवार को सुबह घने कोहरे के कारण घाटी में दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इससे पिछली रात के शून्य से नीचे 2.1 डिग्री के तापमान से थोड़ा कम है। मौसम विभाग ने कहा कि महीने के अंत तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। श्रीनगर में सुबह सड़कों पर यातायात सामान्य से हल्का रहा जबकि दृश्यता कम होने के कारण वाहन धीमी गति से चलते दिखे। श्रीनगर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में खराब दृश्यता के कारण दिल्ली से कुछ उड़ानों में देरी हुई है।

24 घंटे भी नहीं टिका अखिलेश यादव का वादा, स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिर 'हिंदू धर्म' पर उगला जहर; क्या ऐक्शन लेगी सपा ?

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव का वह वादा 24 घंटे भी नहीं टिका जो उन्होंने ब्राह्मण सम्मेलन में किया था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने सोमवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में हिंदू धर्म को धोखा बता डाला। अखिलेश यादव ने वादा किया था कि धर्म और जाति पर टिप्पणी पर रोक लगाई जाएगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी प्रमुख की नसीहत को दरकिनार करने वाले स्वामी पर क्या सपा कोई ऐक्शन लेगी? एएनआई की ओर से जारी एक वीडियो क्लिप में स्वामी प्रसाद मौर्य मंच से कहते हैं, हिंदू एक धोखा है। वैसे भी 1995 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं, जीवन जीने की शैली है। यही नहीं जो सबसे बड़े धर्म के ठेकेदार बनते हैं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी एक नहीं दो बार कहा कि हिंदू धर्म ना का कोई धर्म नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है। देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा, एक दो महीने पहले गडकरी जी ने भी कहा। लेकिन इन लोगों के कहने से किसी की भावना आहत नहीं होती है। अगर स्वामी प्रसाद मौर्या कह देते हैं कि हिंदू धर्म, धर्म नहीं है, बल्कि एक धोखा है। नई दिल्ली के जंतर मंतर पर मिशन जय भीम के बैनर तले राष्ट्रीय बौद्ध और बहुजन अधिकार सम्मलेन में स्वामी ने कहा, जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं वह कुछ लोगों के लिए धंधा है।

जब हम कहते हैं कि यह यह कुछ लोगों के लिए धंधा है तो पूरे देश में भूचाल मच जाता है। जब वही चीज मोहन भागवत कहते हैं, माननीय मोदी जी कहते हैं, गडकरी जी कहते हैं तो किसी की भावना आहत नहीं होती, वही चीज स्वामी प्रसाद मौर्य कहते हैं तो उनकी भावनाएं इतनी कमजोर होती हैं कि आहत हो जाती हैं।

क्या था अखिलेश का वादा

दरअसल रविवार को लखनऊ में सपा मुख्यालय में ब्राह्मण सम्मेलन का आयोजन किया गया। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सोशल इंजीनियरिंग फिट करने में जुटे अखिलेश यादव की मौजूदगी में कन्नौज के प्रबुद्ध समाज और महा ब्राह्मण समाज पंचायत के प्रतिनिधियों की पंचायत हुई। इस दौरान कई लोगों ने स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम लिए बिना धर्म-जाति पर विवादित बयानों को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। इस पर अखिलेश यादव ने वादा किया कि ऐसे बयानों पर रोक लगाई जाएगी। उन्होंने पार्टी नेताओं को धर्म और जाति पर किसी तरह की टिप्पणी से बचने की नसीहत दी।

मान नहीं रहे स्वामी-पिछले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर सपा में गए स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदू और हिंदुत्व को लेकर लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। उनके बयानों पर को लेकर कई बार सपा को किरकिरी का सामना करना पड़ा है। अब 2024 लोकसभा चुनाव में पार्टी को इस बात की आशंका सताने लगी है कि कहीं ना कहीं उनके बयानों से नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि खुद अखिलेश यादव ने भी ऐसे बयानों पर अंकुश लगाने की बात कही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर हिंदी पर निशाना

भारतीय संविधान सभी से यह सविनय आशा करता है कि कोई भी किसी व्यक्ति या समुदाय को अनावश्यक ठेस नहीं पहुंचाएगा। इसके बावजूद यह संवेदनाओं का अकाल ही है कि तमिलनाडु के दिग्गज नेता व सांसद दयानिधि मारन ने बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को एकमुश्त नीचा दिखाने की कोशिश की है। ठेस पहुंचाने की यह राजनीति बहुत निंदनीय और शर्मनाक है। क्या यह कहना किसी अपशब्द से कम है कि हिंदी बोलने वाले तमिलनाडु में शौचालय साफ करते हैं? यह बिहार, उत्तर प्रदेश का ही नहीं, हिंदी बोलने वाले तमाम लोगों का अपमान है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने द्रमुक नेता मारन की तत्काल आलोचना करके बिल्कुल सही किया है। यह एक तरह से दोहरा अपमान है। यह हिंदी ही नहीं, उत्तर भारत का भी अपमान है। खुद तमिलनाडु में मारन जैसे नेताओं को न तो हिंदी की ताकत का अंदाजा है और न उत्तर भारतीयों की ताकत का। दक्षिण के इन चंद संकीर्ण व नासमझ नेताओं को तो उत्तर भारतीयों का शुक्रगुजार होना चाहिए और सोचना चाहिए कि क्या उनका काम उत्तर भारतीयों के बिना चल सकता है? तमिलनाडु में लगभग डेढ़ करोड़ उत्तर भारतीय रहते हैं, इनमें से ज्यादातर व्यवसाय क्षेत्र में सक्रिय हैं। यही नहीं, वहां की सरकार में भी उच्च व मंझोले स्तर के अधिकारियों की संख्या में काफी उत्तर भारतीय हैं, इसके बावजूद केंद्रीय मंत्री तक रह चुके मारन की टिप्पणी अगर उत्तर भारत में नाराजगी का कारण बन रही है, तो गलत नहीं है। तमिलनाडु में अकेले बिहार से ही 25 से ज्यादा आईएएस और आईपीएस अधिकारी सेवाएं दे रहे हैं। द्रमुक के ही एक अन्य सांसद ने संसद में उत्तर भारतीयों का निशाना बनाया था। उसके पहले द्रमुक नेता उदयनिधि ने भी उत्तर भारतीयों के बारे में गलत टिप्पणी की थी। ठेस पहुंचाने की इस कुत्सित राजनीति में क्षेत्रवाद, भाषा द्वेष के साथ ही संप्रदाय आधारित घृणा भी काम कर रही है। मारन की टिप्पणी अगर पुरानी है, तब भी उन्हें अपने बयान से पीछे हटना चाहिए। विवाद व विरोध उठने के बाद भी मारन की खामोशी चिंता में डाल देती है। तमिलनाडु के नेताओं को अपने सामाजिक-आर्थिक विकास और समझदारी का परिचय देते हुए उत्तर प्रदेश व बिहार की अर्थव्यवस्था को समझना चाहिए। इन दोनों राज्यों का सम्मिलित सकल घरेलू उत्पाद 33 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है, जबकि तमिलनाडु का 28 लाख करोड़ रुपये के करीब है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी तमिलनाडु की गति से ही विकास हो रहा है। बेशक, अक्सर निशाना बनने वाले उत्तर के दोनों राज्यों के नेताओं को सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रदेश के लोगों को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े। आज यह बड़ा सवाल है कि तमिलनाडु के कुछ नेता उत्तर भारतीयों को क्यों निशाना बना रहे हैं? पहली बात, दक्षिण की कोई पार्टी उत्तर भारत में सक्रिय नहीं है, अत- उत्तर भारतीयों को ठेस पहुंचाने से उनकी क्षेत्रवादी राजनीति मजबूत होती है। दूसरी बात, विपक्षी गठबंधन की भी द्रमुक को ज्यादा चिंता नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि अंतत- लोकसभा में मिली सीटों के आधार पर उसे पर्याप्त केंद्रीय मंत्रालय मिल ही जाएंगे। तीसरी बात, तमिलनाडु में द्रमुक को केवल भाजपा से खतरा लगता है और वह साबित करना चाहती है कि भाजपा उत्तर भारतीयों की पार्टी है। अत- यह समय है, जब भाजपा नेताओं ही नहीं, उत्तर भारतीयों को भी संयम का परिचय देना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

चुनावों के साथ दक्षिण एशिया में उभरती चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

अब जबकि वर्ष 2023 खत्म होने को है, दक्षिण एशिया के तीन बड़े देश -भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान- 2024 में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी में मसरूफ हैं। भारत में हाल ही में, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली चुनावी विजय के साथ इस सत्ताधारी दल की लोकप्रियता और मजबूती देखने को मिली है। विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने देश के दक्षिणी राज्य तेलंगाना में सत्ता में वापसी की है। बांग्लादेश में अगले साल के जनवरी माह में तो पाकिस्तान में फरवरी में आम चुनाव होंगे। आगे चलकर श्रीलंका में भी राष्ट्रीय चुनाव होना है। इसी दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मुइज्जू के प्रतीकात्मक अनुरोध को स्वीकार करते हुए वहां तैनात लगभग 75 भारतीय सैनिकों की वापसी स्वीकार कर ली है। हालांकि ठीक इसी समय मालदीव में भारतीय मदद से बनने वाली विकास योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए उच्च स्तरीय समझौता हुआ है। विगत में, भारत ने मालदीव की संप्रभुता कायम रखने हेतु वहां सैन्य बल भेजा था, जब 1988 में सशस्त्र गिरोह ने इस टापू की सत्ता हथिया ली थी। वर्तमान में पाकिस्तान गंभीर आर्थिक दिवालियापन से गुजर रहा है। चुनाव की तैयारियों के मध्य, तमाम व्यावहारिक प्रयोजनों से, पाकिस्तान में राज सेना का ही है। कहने को लोकतंत्र है, लेकिन पाकिस्तान के बेताज बादशाह नवनियुक्त सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर हैं। यह भी तथ्य है कि पाकिस्तान के अन्य महत्वाकांक्षी सेनाध्यक्षों की भांति जनरल मुनीर को भी अमेरिका का वरदहस्त प्राप्त है और उन्हें अमेरिका यात्रा का निमंत्रण मिला। पाकिस्तानी सेना के जनसूचना विभाग ने जनरल मुनीर की अमेरिकी रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री के अलावा बाइडेन प्रशासन की अन्य वरिष्ठतम शख्सियतों के साथ भेंट कार्यक्रम की तारीखें काफी जोर-शोर से प्रचारित की थीं। जनरल मुनीर को उनके पूर्ववर्ती सेनाध्यक्ष बाजवा ने विशेष रूप से चुनकर अपनी जगह बैठाया है। बता दें कि अमेरिका के कहने पर यूक्रेन तक सैन्य सामग्री पहुंचाने में बाजवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी बीच अफगानिस्तान मामलों पर अमेरिकी विशेष प्रतिनिधि थॉमस वेस्ट पाकिस्तान पहुंचे और आतंकवाद से लड़ाई में पाकिस्तान के साथ अमेरिकी का पूर्ण सहयोग होने की घोषणा की है। जाहिर है बाइडेन प्रशासन की याददाश्त कमजोर है, लगता है वह दिन भूल गए, जब पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया करवा रखी थी। इसके अलावा वह भी भूल गया लगता है जब एक ओर अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज की निकासी हो रही थी तो दूसरी ओर तत्कालीन आईएसआई के इशारों पर तालिबान काबुल में सत्ता संभाल रहे थे। इमरान खान से चिढ़ रखने वाले जनरल मुनीर ने अमेरिका की यात्रा की है। लेकिन इन सबका पाकिस्तान का अपने सदाबहार दोस्त चीन के साथ रिश्तों पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। फिलहाल जनरल मुनीर का मुख्य ध्यान इमरान खान और उनके चेलों को अनेकानेक मामलों में फंसाने पर है। पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की ब्यानबाजी उन्हें आगामी आम चुनाव में हिस्सा लेने से महरूम करवा सकती है। बड़ी संख्या में अधिकारियों, सैनिकों और पूर्व-सैनिकों में इमरान खान को चुनाव लड़ने से वर्जित करने वाले प्रयासों को लेकर रोष है। सबसे अहम, लगता है इमरान खान को न्यायपालिका की प्रभावशाली सहायता प्राप्त है। तय कार्यक्रम के अनुसार 8 फरवरी, 2024 को पाकिस्तान में आम चुनाव करवाए जाएंगे। अब देखना यह है कि क्या इमरान खान को सर्वोच्च न्यायालय से राहत मिल पाएगी और चुनाव में भाग लेने की इज़ाजत मिलेगी। उधर, पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को अब पश्तूनों से सीधी चुनौतियां दरपेश हैं, जो कि ड्यूरंड सीमा रेखा के दोनों ओर तालिबान के समर्थक हैं। भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान से संवाद के सूत्र कायम रखकर काफी समझदारी की है। उम्मीद है आगे भी भारत अफगान लोगों को बेतरह जरूरी गेहूं की आपूर्ति जारी रखेगा। भारत से अफगानिस्तान को भेजी सामग्री बरास्ता पाकिस्तान की बजाय अब ईरान के चाबहार बंदरगाह से होकर पहुंच सकेगी। ऐसे में जब खुद मोदी सरकार आगामी आम चुनाव के लिए कमर कस रही है, बांग्लादेश में शेख हसीना की आवामी लीग सरकार को दरपेश सख्त मुकाबले से भारत के लिए नई चुनौतियां बन सकती हैं। बांग्लादेश में आवामी लीग के प्रति वर्तमान और पिछली अमेरिकी सरकारों का पूर्वाग्रह जारी रहने से, भारत की पूरबी सीमाओं पर मुश्किलें जटिल बनी हैं। शेख हसीना की आवामी लीग के प्रति अमेरिकी पूर्वाग्रह बांग्लादेश के स्वतंत्रता आंदोलन के वक्त से कायम है। अमेरिका का यह रवैया इस तथ्य के मद्देनज़र हैरानी जनक है कि बांग्लादेश का चीन के साथ संबंध नपी-तुली मित्रता वाला है, जो कि चीन-पाकिस्तान के बीच परमाणु और सैन्य संबंधों से काफी अलग है, और अमेरिका को जिसकी न तो परवाह है न ही दिखाई देता है। आवामी लीग के प्रति अमेरिका की खुन्नस शेख मुजीब-उर-रहमान के वक्त से है, जो उनकी पुत्री शेख हसीना के साथ भी कायम है। भारत में भी, गहन संशय है कि बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीब-उर-रहमान की हत्या के पीछे विदेशी हाथ है। भारत और बांग्लादेश, दोनों की म्यांमार से थलीय सीमाएं साझा हैं। सीमापारीय आतंकवाद से निबटने में जहां भारत के म्यांमार के साथ निकट संबंध हैं वहीं रोहिंग्या शरणार्थियों के मसले के कारण बांग्लादेश और म्यांमार के बीच तल्खी है। सशस्त्र विद्रोहियों से निपटने में म्यांमार के साथ भारत का सीमापारीय सहयोग काफी मजबूत है। मणिपुर की हालिया घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में उक्त सहयोग का होना काफी अहम है। भारत की दक्षिण-पूरबी सीमाओं पर आने वाले महीनों में तनाव और संभावित हिंसा में उभार देखने को मिल सकता है। बांग्लादेश में भी आगामी आम चुनाव में हिंसा होने को लेकर चिंता है, जहां पर शेख हसीना की पंथ-निरपेक्ष सरकार को कट्टरवादी इस्लामिक तत्वों से चुनौतियां दरपेश हैं। बांग्लादेश और शेख हसीना को निजी तौर पर, अमेरिका और कनाडा के खिलाफ नाराज़गी जायज है, जिन्होंने दो पूर्व बांग्लादेश फौजी अफसरों को पनाह दी हुई है जिन्हें शेख मुजीब-उर-रहमान हत्याकांड में सजा सुनाई जा चुकी है। इन दोनों की सज़ा पर बांग्लादेश में क्रियान्वयन लंबित है। नव वर्ष में बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत में आम चुनाव होने जा रहे हैं। पाकिस्तान में, अत्यधिक प्रभाव रखने वाली सेना, लोकप्रिय नेता इमरान खान को चुनाव लड़ने से बेदखल करने पर तुली हुई है। जबकि ठीक इसी वक्त मुल्क लगभग दिवालिया है और गुजारे के लिए अमेरिकी सहायता और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक की खैरात पर निर्भर है। बांग्लादेश में, अमेरिका और पाकिस्तान, दोनों नहीं चाहते कि शेख हसीना सत्ता में लौटें।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

दुनिया बचाने के आधे-अधूरे प्रयास

कॉप-28 जलवायु सम्मेलन

ज्ञानेन्द्र रावत

पिछले दिनों दुबई में लगभग दो सप्ताह चले दुनिया के तकरीबन 200 देशों के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-28 के आयोजन के पीछे भी यही आकांक्षा थी कि इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने और भविष्य में उससे मिलने वाली चुनौतियों से कैसे निपटा जाये। दरअसल, वर्ष 2015 के पेरिस समझौते का मुख्य मकसद ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को इस हद तक कम करना था ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि औद्योगिक काल से पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न होने पाये। हकीकत यह रही कि इस दिशा में जो भी प्रयास किये गये वे ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। सबसे बड़ी बात इस हेतु जो संरचनात्मक ढांचे की जरूरत थी, वे निर्मित ही नहीं किये गये। दरअसल इनके बारे में सोचा ही नहीं गया। फिर जिस सामाजिक भागीदारी की बेहद जरूरत थी, उसकी तो कल्पना ही नहीं की गयी। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसी चुनौतियों से निपटना सामाजिक भागीदारी के बिना असंभव है। उम्मीद थी कि कॉप-28 में इस दिशा में मंथन होगा। गौरतलब है कि दुबई में जलवायु सम्मेलन ऐसे समय हुआ जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों का बुरी तरह से सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन से दुनिया को होने वाला नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। इससे हर साल दुनिया को अरबों डालर की चपत लग रही है। हकीकत में दुनिया की जीडीपी को 1.8 फीसदी का नुकसान हो रहा है जो करीब 1.5 खरब डालर के बराबर है। वहीं भारत को करीब 8 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्ष 2022 में भारत को करीब 30 अरब डालर का नुकसान उठाना पड़ा है। लगातार गर्म होती दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा बन रहा है सूखा। भारत सहित दुनिया के 23 देश गंभीर सूखे की मार झेल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पर्वतीय देशों के लिए खतरा बढ़ रहा है। उसे देखते हुए 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो उस स्थिति में खाड़ी देश रहने काबिल नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से कोई अछूता नहीं है। इसका प्रभाव गरीबों पर ही नहीं, इंसान के मस्तिष्क और हृदय पर भी घातक प्रभाव पड़ रहा है। यहां तक जानवर भी इसके दुष्प्रभाव से अछूते नहीं रहे हैं। इस सम्मेलन में पहली बार जलवायु परिवर्तन के संकट की व्यापकता और इस बारे में तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की गयी। इस सत्य को स्वीकार भी किया गया कि संकट के समाधान हेतु हमें आपस में न केवल सहयोग करना होगा बल्कि साथ-साथ इसका मुकाबला करना होगा। बावजूद इसके कि संपन्न और वंचित देशों के बीच विभाजन की खाई पहले की तरह बरकरार बनी रही। जलवायु परिवर्तन की समस्या के मुकाबले के लिए सबसे बड़ी जरूरत पूंजी की है, कोष की है। यह मामला बरसों से विकसित देशों की इस बाबत आनाकानी के चलते उलझा हुआ है। सम्मेलन के अंतिम दिन जो सहमति बनी उसके अनुसार, सभी देश जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा की ओर रुख करें। फिर भी वर्ष 2050 तक नेट जीरो तक पहुंचने, हरित ऊर्जा को साल 2030 तक तीन गुना तथा ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने, ट्रांजिशन फ्यूल का जिक्र करने, देशों को अपने स्वैच्छिक जलवायु लक्ष्य 2024 तक पूरे करने और अमीर देशों द्वारा अपने जंगलों को कार्बन ऑफसेट के रूप में उपयोग करने के लिए गरीब देशों को भुगतान करने की बात सम्मेलन में हुई। यदि इसको सम्मेलन की सफलता बनाया जा रहा है तो इसे उपलब्धि तो नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि कार्बन कैप्चर तकनीक के जरिये नेट जीरो की राह बेहद खर्चीली है। इस तकनीक से 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य हासिल करने के लिए दुनिया को 30 खरब डालर की राशि अधिक खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों की नजर में इस तकनीक पर निर्भर रहना उचित नहीं है क्योंकि इससे सरकारें खुद को प्रतिस्पर्धी नुकसान की स्थिति में डाल लेंगी। सबसे बड़ी विफलता यह ही है कि सम्मेलन में गरीब और विकासशील देशों को जलवायु लक्ष्य हासिल करने के लिए धन की आवश्यकता कैसे पूरी होगी।

साथ ही ऐतिहासिक प्रदूषकों की जवाबदेही क्या और कैसे तय होगी, ग्लोबल साउथ के लिए जलवायु लचीलापन और कम कार्बन ऊत्सर्जन की दिशा में बदलाव के वित्त पोषण के लिए प्रभावी तंत्र कैसा बनेगा। इस पर और जीवाश्म ईंधन के उत्पादन और खपत की कटौती के मामले में कोई खुलासा न होना संदेह उत्पन्न करता है। फिर वित्त के मामले पर स्पष्टोक्ति का अभाव और मीथेन उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य निर्धारण न होना और अनुकूलन प्रयासों में तेजी लाने के प्रयासों के लक्ष्य का घोषित न किया जाना, पेरिस समझौते के अक्षरशः पालन के सवाल पर चुप्पी सम्मेलन की सफलता के दावे पर सवालिया निशान लगाते हैं। हमें यह समझ लेना होगा कि चुनौती बहुत बड़ी है। केवल प्रस्तावों से कुछ नहीं होने वाला। वैश्विक तापमान वृद्धि के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार घरेलू कार्यों, परिवहन और बिजली उत्पादन आदि के लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग का सवाल जटिल है। इस पर अंकुश बेहद जरूरी है। लेकिन 2050 तक जलवायु संकट के प्रमुख कारक जीवाश्म ईंधन न्यायसंगत तरीके से खत्म किये जाने पर सहमति एक अच्छा संकेत तो है लेकिन इसके लिए 27 वर्ष का समय देना न्यायोचित नहीं है। उस स्थिति में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में त्वरित कटौती की बात और स्वच्छ दुनिया की उम्मीद करना बेमानी है।

विचार मंथन

सांसदों का सामूहिक सत्र के लिए निलंबन, जनमत का अपमान?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

145 से अधिक सांसदों का 3 दिन के अंदर निलंबन पूरे सत्र अवधि के लिए किया गया। निलंबन को जनमत का अपमान माना जाना चाहिए। करोडों मतदाताओं ने अपने प्रतिनिधि का चुनाव किया। उन प्रतिनिधियों को संसद की कार्रवाई से बेदखल करना ,कहीं से भी न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। सांसद तख्ती लेकर सरकार से इस बात की मांग कर रहे थे, कि संसद में जो हमला हुआ है। उसमें गृहमंत्री सदन के अंदर अपना बयान दें। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि बहुमत के आधार पर संसदीय समिति ने तख्ती पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय हाल ही में लिया है। संसद में सत्ता पक्ष के पास बहुमत है। कोई भी निर्णय लिया जाएगा, वह बहुमत के आधार पर ही होगा। भारतीय जनता पार्टी पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से संसद के अंदर प्रदर्शन करती रही है। जिस विरोध और प्रदर्शन के बल पर वह केंद्र की सत्ता में काबिज हुई है। अब बहुमत के आधार पर उस रास्ते को बन्द किया जा रहा है। शायद सरकार की यही मनसा होगी, कि जिस तरह से उसे समय के विपक्ष ने सरकार तक पहुंचने का जो मार्ग बनाया था। उस मार्ग को बन्द कर दिया जाए। सदन के अंदर विपक्षी सांसदों को बोलने नहीं दिया जाता है। जब वह बोलते हैं, तो वहां कैमरा नहीं होता है। विपक्षी सांसदों के माइक बंद कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में विपक्षी सांसदों को अपना विरोध प्रदर्शन करने के लिए कुछ ना कुछ रास्ता तो अपनाना पड़ेगा। संसद में सरकार द्वारा बहुत महत्वपूर्ण बिल पेश किए जाने थे। विपक्षी संसद सदस्य आसंदी की बात को नहीं मान रहे हैं। ऐसी स्थिति में दोषी सांसदों को उस दिन की कार्रवाई से निलंबित किया जा सकता था।आसंदी सभी राजनीतिक दलों के सांसदों का पालक होता है। विपक्ष के सांसदों की यदि मांग थी, तो उन्हें सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय बनाने की पहल करनी थी। जो उन्होंने कई दिनों तक नहीं की। निलंबित सांसद जो मांग सदन के अंदर कर रहे थे। वह कहीं से भी अनुचित नहीं कहीं जा सकती है। जब मीडिया के सामने सदन के बाहर, केंद्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार बयान दे रहे हों। मीडिया में तरह-तरह से खबरें छप रही हों, सँसद चल रही है, संसद के अंदर बयान न देकर बाहर बयान देना यह भी संसद की परंपराओं का अपमान था। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने सरकार से इस मामले में कोई पहल नहीं की। यहां पर मान और अपमान की बात भी नहीं हो रही थी। सरकार को बिल बिना बहस के पास शायद पास कराने थे।जिसके लिए विपक्ष को जानबूझकर उत्तेजित किया गया। संसद के अंदर उनके सामूहिक विरोध को आधार बनाकर उनका निलंबन किया गया। उसके बाद सत्ता पक्ष ने सारे बिलों को बिना किसी चर्चा के संसद से पास कर लिया। जो 145 से अधिक सांसद निलंबित किए गए हैं। निलंवित सांसद करीब 34 करोड लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सांसद भी संवैधानिक शक्तियों के साथ सदन के अंदर आते हैं। जिस तरह से, विशेष रूप से राज्यसभा में आसन्दी के सभापति का सांसदों के साथ जो व्यवहार होता है। वह देखने और सुनने में बड़ा अपमानजनक लगता है। स्कूल और कॉलेज के टीचर भी अपने छात्रों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकते हैं। जो सदन के अंदर सभापति द्वारा किया जा रहा था। विपक्ष को जिस तरह से नजर अंदाज करते हुए पिछले कई दिनों से संसद की कार्रवाई संचालित हो रही थी। उसके बाद स्वाभाविक था, कि विपक्ष अपनी जायज मांग को नहीं माने जाने पर नाराज होकर विरोध दर्ज कराये। आसंदी ने भी इस गतिरोध को तोड़ने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री द्वारा भी ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया, जो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाकर संसद की कार्रवाई को निर्वाध रूप से चलाने में मदद करे। सदन में जो बिल पेश किये जाने थे। उस पर सभी पक्षों की राय ली जाए, शायद सरकार यह नही चाहती थी। इसी कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में यह सारा बवाल मचा। यहां आसन्दी की भी जिम्मेदारी थी, कि यदि बिल में चर्चा नहीं होती है। तो उन्हें पास नहीं किया जाना चाहिए था। पिछले कई वर्षों से यह एक परंपरा शुरू हो गई है, हो-हल्ले के बीच में बिना चर्चा के बिल पास कराए जा रहे हैं। वह भी संसदीय परंपरा और संविधान का सबसे बड़ा अपमान है. करोड़ों लोगों के ऊपर जो कानून लागू किए जाएंगे। यदि सदन में उसे पर चर्चा भी नहीं होगी, तो उसे कैसे जायज ठहराया जा सकता है। सरकार, लोकसभा की आसंदी और राज्यसभा की आसन्दी को भी इस पर विचार करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुथूट माइक्रोफिन के पांच फीसदी गिरावट पर सूचीबद्ध

मुंबई । मुथूट समूह की सूक्ष्म-वित्त इकाई मुथूट माइक्रोफिन के शेयर मंगलवार को निर्गम मूल्य 291 रुपये से पांच प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 4.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 278 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 8.83 प्रतिशत गिरकर 265.30 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 275.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 4,670.63 करोड़ रुपये रहा। मुथूट माइक्रोफिन के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निर्गम के आखिरी दिन बुधवार को 11.52 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए 277-291 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयर छह फीसदी गिरावट पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयर निर्गम मूल्य 360 रुपये से करीब छह प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने 4.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 343.80 रुपये पर शुरुआत की। बाद में शेयर 10 प्रतिशत गिरकर 323.95 रुपये पर आ गए। एनएसई पर शेयर 5.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 340 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। सूरज एस्टेट डेवलपर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 15.65 गुना अभिदान मिल गया था। आईपीओ का मूल्य दायरा 340-360 रुपये प्रति शेयर था।

एसआईपी की हिस्सेदारी 19.1 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंड योजनाओं में खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के बीच सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान वाले खाते धीरे-धीरे म्युचुअल फंड उद्योग पर अपनी पकड़ मजबूत बनाते जा रहे हैं। एक साल के भीतर म्युचुअल फंड की कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में एसआईपी की हिस्सेदारी साल 2023 की शुरुआत के 16.1 फीसदी के मुकाबले नवंबर में बढ़कर 19.1 फीसदी पर पहुंच गई। साल 2019 के आखिर में यह हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी थी। उद्योग निकाय एम्फी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। खुदरा निवेशक सामान्य तौर पर एसआईपी का मार्ग चुनते हैं और उनकी संख्या बढ़ रही है और मौजूदा निवेशक अपने निवेश में बढ़ोतरी भी कर रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश लगातार बढ़ रहा है और यह जनवरी 2021 के 8,023 करोड़ रुपये के मुकाबले नवंबर 2023 में 17,073 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवंबर में एसआईपी खाते का कुल एयूएम 9.3 लाख करोड़ रुपये था, जो वित्तीय वर्ष की शुरुआत के मुकाबले 38 फीसदी ज्यादा है। साल 2018 से एसआईपी एयूएम हर साल 19 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है और साल 2021 में इसमें सबसे ज्यादा 42 फीसदी की उछाल दर्ज हुई थी। साल 2023 में एसआईपी एयूएम में बढ़ोतरी इक्विटी बाजार में तीव्र उछाल के कारण भी हुई। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों निफ्टी-50 और सेंसेक्स में साल 2023 में अब तक 16 फीसदी से ज्यादा की उछाल आई है। इसके साथ ही संस्थागत निवेशकों से निवेश हासिल करने वाला डेट फंड अपनी रफ्तार बनाए रखने में नाकाम रहा है।

अमरीकी सेल्फ मेड अल्पायु अमीर महिलाओं में शामिल 75 हजार करोड़ आय वाली नेहा नरखेड़े

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे कम उम्र की सेल्फ मेड वुमेन एंटरप्रेन्योर नेहा नरखेड़े के परिश्रम से कोन्फ्लुएंट कंपनी की वैल्यू 75 हजार करोड़ रुपये हो चुकी हैं। महाराष्ट्र की पुणे` निवासी नेहा नरखेड़े ने मुश्किलों को हराना सीखा है। कहते हैं मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। एक समय पढ़ाई करने गई नेहा ने अमेरिका में कोन्फ्लुएंट कंपनी की स्थापना की। आज उनकी मेहनत के दम पर उस कंपनी की वैल्यू 75 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। बीते दिनों फोर्ब्स ने उन्हें अमेरिका की सेल्फ मेड अमीर महिलाओं की लिस्ट में शामिल किया था।पुणे में पली-बढ़ीं नेहा ने अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की। उन्होंने लिंक्डइन और ओरेकल में नौकरी की, जिसके बाद उन्होंने अमेरिका में अपनी कंपनी कोन्फ्लुएंट की शुरुआत की। साल 2021 में उनकी कंपनी का आईपीओ आया था। नेहा को भारत की 8वीं सबसे अमीर महिला का खिताब मिला था। नेहा की गिनती अमेरिका की सबसे सफ़ल महिला उद्यमियों में की जाती है। नेहा अपनी सफलता में अपने पिता को श्रेय देती है, उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनके पिता उनके लिए बड़े-बड़े लोगों जैसे इंदिरा गांधी, किरण बेदी, इंद्रा नूयी की किताबें लेकर आते थे। पुणे की नेहा नारखेड़े ने हार को हराकर जीत हासिल की है। साल 2021 में जब नेहा की कंपनी का आईपीओ आया था तब उनकी नेटवर्थ 13,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। लेकिन साल 2022 में उनकी संपत्ति में भारी गिरावट आई। साल 2022 में उनकी संपत्ति गिरकर मात्र 4,700 करोड़ रुपये रह गई थी। उन्होंने एक साल में करीब 8,600 करोड़ रुपये गंवा दिए थे। लेकिन नेहा ने हार नहीं मानी और करोड़ों रुपये गंवाने के बाद वो फिर से उठ खड़ी हुई।

आईनॉक्स विंड को 279 मेगावाट की परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली ।

आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एक बड़ी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक कंपनी से 279 मेगावाट की परियोजना का ठेका हो लिस हुआ है। कंपनी के अनुसार इसमें 180 मेगावाट के लिए सीमित दायरे वाले ईपीसी (इंजीनियरिंग निर्माण खरीद) और 99 मेगावाट के लिए एंड-टू-एंड टर्नकी निष्पादन के साथ उपकरण की आपूर्ति शामिल है। यह ठेका आईडब्ल्यूएल के नए तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यटीजी) की आपूर्ति से जुड़ा है। आईनॉक्स विंड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह और अन्य ठेके सतत वृद्धि और वित्त वर्ष 2024-25 में लाभप्रदता हासिल करने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में 600 से अधिक फ्लैट बेचे

नई दिल्ली ।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हरियाणा के गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवासीय परियोजना के 600 से अधिक फ्लैट बेच दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने गुरुग्राम के सेक्टर-49 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित अपनी परियोजना गोदरेज एरिस्टोक्रेट में 2,600 करोड़ रुपये से अधिक के फ्लैट बेचे दिए हैं। कंपनी 9.5 एकड़ में फैली इस आवासीय परियोजना में करीब 750 अपार्टमेंट बनाएगी। प्रति इकाई इनकी शुरुआती कीमत करीब चार करोड़ रुपये है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। हमें 2024 में गुरुग्राम में चार नई परियोजनाएं शुरू करने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछल वै श्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भी लिवाली से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 230 अंक ऊपर आकर आज 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 71,336.60 और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 92 अंक उछलकर 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 21.441.35 पर बंद हुआ है। बाजार में आज

खरीदारी हावी रही और घरेलू इक्विटी बेचमार्क इंडेक्स बढ़त पर रहे। वहीं आज बाजार में शुरुआती कारोबार में उतार चढ़ाव रहा पर बाजार ने एक बार जो गति पकड़ी तो ऊपर आता गया। बाजार की तेजी से आज निवेशकों को भी 2.15 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। आज निफ्टी के आईटी, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़ सभी सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें भी गिरावट एक फीसदी से कम ही रही। निफ्टी बैंक आज 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज बाजाजर तेजी के साथ बाजार पूंजीकरण 358.94 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे साफ है कि आज 2.15 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। वहीं इससे पहले बाजार पूंजीकर 350.20 लाख करोड़ रुपये था। सेंसेक्स के 30 में से 23 आज लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। इसमें सबसे अधिक तेजी आज एनटीपीसी, एमएंडएम और विप्रो में रही। वहीं दूसरी तरफ आज बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और इंफोसिस में सबसे अधिक गिरावट रही। 4030 शेयरों की आज ट्रेडिंग हुई जिसमें से 2331 में तेजी रही, 1557 में गिरावट और 142 में कोई बदलाव ही नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच

बाजार की सपाट शुरुआत हुई है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हल्की कमजोरी के साथ कारोबार करते दिख रहे हैं।

एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 71,100 और निफ्टी50 21,361 के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक फीसदी 0.42 फीसदी और 0.38 फीसदी बढ़े। सेक्टर्स में निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी को छोड़कर सभी हरे निशान में थे, जिसका नेतृत्व निफ्टी मीडिया इंडेक्स और निफ्टी मेटल इंडेक्स कर रहे थे। जापान का निक्केई में 0.03 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.02 फीसदी नीचे था।

भारत में महंगाई के बेकाबू होने का खतरा बढ़ा

- 4,000 किमी दूर हो रही लड़ाई ने भारत की चिंता बढ़ाई

नई दिल्ली ।

यमन के ईरान से समर्थन वाले हूती विद्रोही लाल सागर में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाने से दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग पर अपना संचालन रोक दिया है। इसके बजाए वे अब ब्लैक सी रूट का उपयोग कर रहे हैं। इससे भारत में फ्रेट चार्ज बढ़ने से महंगाई के बेकाबू होने का खतरा बढ़ गया है। इस संकट का असर भारत पर पड़ना शुरू हो गया है। हाल में हूती विद्रोहियों ने भारत के क्रूड कैरियर एमवी साई बाबा पर दक्षिणी लाल सागर में ड्रोन से हमला किया। साथ ही भारत के लिए कच्चा तेल ला रहे लाइबेरिया के एक जहाज को अरब सागर में भारत के एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन के बाहर निशाना बनाया गया। भारत का 65 फीसदी कच्चा तेल स्वेज नहर के रास्ते आता है जबकि 50 फीसदी` निर्यात भी इसी रास्ते होता है। स्वेज नहर लाल सागर और भूमध्यसागर को कनेक्ट करती है। लाल सागर यूरोप और एशिया के बीच व्यापार का मुख्य समुद्री रास्ता है। इससे स्वेज नहर के रास्ते होने वाले कारोबार पर भी खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोही कई जहाजों पर ड्रोन और एंटी-शिप मिसाइलों से

हमला कर चुके हैं। इससे दुनिया की चार बड़ी शिपिंग कंपनियों ने लाल सागर के रास्ते अपने ऑपरेशन रोक दिए हैं। ग्लोबल मेरिटाइम ट्रेड में इन चार कंपनियों की ग्लोबल मेरिटाइम ट्रेड मे 53 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कारोबार एनजी आयात के लिए इस रूट पर निर्भर है। उसके लिए लागत और सुरक्षा का जोखिम बढ़ गया है। भारत को ट्रेड रूट डाइवर्सिफाई करने और रीजनल मेरिटाइम सिक्योरिटी कोऑपरेशन बढ़ाने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अपने एनर्जी आयात को डाइवर्सिफाई करने की जरूरत है ताकि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट पर निर्भरता कम की जा सके। यानी भारत को फारस की खाड़ी, अफ्रीका और मध्य एशिया से तेल का आयात बढ़ाना चाहिए।

नए साल में 14 दिन बंद रहेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली ।

बीएसई और एनएसई के मुताबिक नए साल 2024 में घरेलू शेयर बाजार 14 दिन बंद रहेंगे। साल 2024 में दिवाली एक नवंबर को है और इस दिन स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। अगर छुट्टियों में कई बदलाव होगा तो एक्सचेंज इसके लिए अलग से एडवांस में सर्कुलर जारी करेंगे। अगले साल गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, महाशिवरात्रि आठ मार्च, होली 25 मार्च, गुड फाइडे 29 मार्च, रमजान 11 अप्रैल, राम नवमी 17 अप्रैल, महाराष्ट्र दिवस एक मई, बकरीद 17 जून, मुहर्रम 17 जुलाई, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, महात्मा गांधी जयंती दो अक्टूबर, दिवाली एक नवंबर, गुरुनानक जयंती 15 नवंबर और क्रिसमस 25 दिसंबर के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि मीडियम से लांग टर्म में शेयरों में तेजी बनी रहेगी।

पाकिस्तान से ज्यादा महंगाई छह देशों में, पहले नंबर पर वेनेजुएला

- गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर

नई दिल्ली । पाकिस्तान में महंगाई की खबरें अक्सर सुनने को मिलती हैं लेकिन दुनिया के छह देशों में पाकिस्तान से ज्यादा महंगाई है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला का नाम है। इस देश में महंगाई 283 फीसदी है। इस देश की गणना कभी देश के अमीर देशों में होती थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी हालत खराब हो गई है। वेनेजुएला का पास दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व है। साल 2012 में वेनेजुएला में गरीबों की आबादी मात्र दो फीसदी थी लेकिन आज देश की 90 फीसदी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। वेनेजुएला में खाने-पीने की चीजें इतनी महंगी हैं कि अमीर लोगों के लिए भी दो जून की रोटी जुटाना भारी पड़ रहा है। कई गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर हैं। इस लिस्ट में वेनेजुएला के बाद दूसरे नंबर पर लेबनॉन है। इस देश में महंगाई की दर 212 फीसदी है। इसके बाद अर्जेंटीना का नंबर है। साल 2012 में यहां महज चार फीसदी लोग करीब थे लेकिन आज यह आबादी 36 परसेंट पहुंच चुकी है। सबसे ज्यादा महंगाई वाले देशों में अगला नंबर सीरिया का है। युद्ध से जूझ रहे इस देश में महंगाई की दर 79.1 फीसदी है। इसके बाद तुर्की 61.98 फीसदी, मिस्र 34.6 फीसदी और फिर पाकिस्तान 29.23 फीसदी का नंबर है। वहीं भारत में महंगाई की दर 5.55 फीसदी है। नाइजीरिया, कजाकस्तान, बांग्लादेश, हंगरी, रूस, चेक गणराज्य, केन्या, नाइजर, पोलैंड और स्वीडन में भारत से ज्यादा महंगाई है। लेकिन दुनिया के कई देशों में भारत से कम महंगाई है। इनमें साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूक्रे, ब्राजील, मेक्सिको, फिलीपीं, यूके, फ्रांस, इजरायल, साउथ कोरिया, जर्मनी, स्पेन, कनाडा, अमेरिका, इंडोनेशिया और जापान शामिल हैं। दुनिया के कई देशों में तो महंगाई निगेटिव में है। इनमें थाईलैंड, आर्मेनिया, चीन, सेशेल्स और अफगानिस्तान शामिल हैं।

चुनाव से पहले सरकार ने अपने निजीकरण की कार्यवाही पर लगाई रोक

- चालू वित्त वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनावों के लिए कुछ मे हिने ही शेष बचे हैं। आम चुनाव नजदीक आने के साथ ही सरकार ने अपनी निजीकरण की कार्रवाई लगभग रोक दी है और अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है। कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है।

हालांकि, इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और कॉनकॉर जैसी बड़ी निजीकरण योजनाएं पहले से ही ठंडे बस्ते में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सार्थक निजीकरण अप्रैल, मई के आम चुनाव के बाद ही हो सकता है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 51,000 करोड़ रुपये की बजट राशि में से करीब 10,049 करोड़ रुपये आईपीओ और ओएफएस के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए एकत्र किए गए। एससीआई, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, बीईएमएल, एचएलएल लाइफकेयर और आईडीबीआई बैंक सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की रणनीतिक बिक्री चालू वित्त वर्ष में पूरी होने वाली है। हालांकि, अधिकांश सीपीएसई के संबंध में मुख्य एवं गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की विभाजन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है और वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने में देरी हुई है। कुल मिलाकर करीब 11 ट्रांजैक्शन अभी दीपम में लंबित हैं। वहीं राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) और एआई एसेट होल्डिंग लिमिटेड के निजीकरण के लिए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की सैद्धांतिक मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। लेकिन दीपम विभाग ने अब तक इनके लिए ईओआई आमंत्रित नहीं किए हैं।

एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि रणनीतिक विनिवेश निर्णय राजनीतिक आवश्यकताओं से संचालित हो रहे हैं। चुनाव नजदीक होने के कारण हमें रणनीतिक बिक्री के मामले में कोई हलचल की उम्मीद नहीं है।

भारत ने पहली बार तेल खरीद के बदले यूएई को किया रुपये में भुगतान

- भारतीय अधिकारियों को अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ इसी तरह के सौदे की तलाश

नई दिल्ली ।

भारत ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए और भारतीय मुद्रा को मजबूत बनाने की कोशिश में लंबी छलांग लगाते हुए संयुक्त अरब अमीरात को कच्चे तेल की खरीद के बदले पहली बार रुपये में भुगतान किया है। यह कदम मुख्य रूप से द्विपक्षीय व्यापार में भारतीय राष्ट्रीय मुद्रा रुपये के उपयोग को बढ़ावा देने के रूप में बड़ी पहल है। अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत आयात पर निर्भर है। इसके लिए उसे बड़े पैमाने पर डॉलर में भुगतान करना होता है। इंडियन आयल कारपोरेशन ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी से 10 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद का भुगतान भारतीय रुपये में किया है। इसके अलावा रूस से आयात किए गए क्रूड ऑयल के कुछ हिस्से का भी भुगतान रुपये में किया गया है। बता दें कि जुलाई में भारत ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी से कच्चे तेल की खरीद के बदले में भारतीय रुपये में भुगतान करने का संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि वह अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ इसी तरह के सौदे की तलाश में है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत जैसे कई देश व्यापार के लिए अमेरिकी डॉलर का उपयोग करने से दूर जा रहे हैं और इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन करने को राजी हो रहे हैं। इसी कड़ी में व्यापार समझौते के तहत नई दिल्ली अब रुपये में भुगतान करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के तेल निर्यातकों के साथ बातचीत कर रही है। हाल की मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत रूसी तेल खरीद का भी भुगतान भारतीय रुपये में करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। अपनी राष्ट्रीय मुद्रा में भुगतान करने का भारत का निर्णय भू-राजनीतिक और आर्थिक तनाव के बीच आया है, क्योंकि अमेरिका ने रूस और ईरान के साथ डॉलर में व्यापार को एकतरफा प्रतिबंधित कर दिया है। बता दें कि इससे पहले दिसंबर में ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केन्याई राष्ट्रपति विलियम रूटो ने अपने देशों में संबंधित एजेंसियों को भारतीय रुपये का उपयोग करने और दोनों देशों के बीच विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण को लागू करने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया था।

पेट्रोल और डीजल कुछ राज्यों में हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

देशभर में मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, जबकि कुछ राज्यों में मामूली बदलाव देखने को मिला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.62 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है, जबकि ब्रेंट क्रूड 79.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। राज्यों में हुआ उतार-चढ़ाव देखें तो हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 33 पैसे और डीजल 31 पैसे महंगा हुआ है, जबकि महाराष्ट्र में दोनों पर 22 पैसे बढ़े हैं। इसके अलावा, पंजाब, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी पट्रोल-डीजल के दामों में इजाफा हुआ है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 46 पैसे सस्ता हुआ है। गुजरात में 78 पैसे की कटौती हुई है। साथ ही हरियाणा, तमिलनाडु, त्रिपुरा और केरल में भी दाम गिरे हैं। देश के प्रमुख महानगरों में आज की कीमत पहले के समान बनी हुई है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये में खरीदा जा सकता है। इसी प्रकार कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर में मिलेगा, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है।

Sports

भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट के दौरान जमकर हो सकती है बारिश

सेंचुरियन । भारतीय टीम और साउथ अफ्रीका के बीच आज 26 दिसंबर से टेस्ट मैचों की शुरुआत होने जा रही है। ले किन मौसम की अपडेट यह है कि कि मैच के दौरान बारिश हो सकती है। आज से दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच सेंचुरियन में भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 से शुरू होगा। मगर इस शहर का मौसम ठीक नजर नहीं आ रहा है। सेंचुरियन में मौसम का मिजाज देखते हुए ऐसा लग रहा है, जैसे इंद्रदेव इस टेस्ट मैच से नाराज हैं। दरअसल, 5 दिवसीय इस टेस्ट मैच के दौरान बारिश की आशंका है। शुरुआती दो दिनों का खेल तो पूरी तरह बारिश से धुलता दिखाई दे रहा है। हालांकि आखिर में मौसम जरुर साथ दे सकता है। आईएमडी के अनुसार सेंचुरियन में आज 26 दिसंबर को मौसम काफी खराब नजर आ रहा है। मौसम केन्द्र के मुताबिक, इस दिन बारिश की आशंका 96 प्रतिशत बताई जा रही है। पहले दिन हवाओं की गति भी 52 किमी/ घंटे की रहेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मोहन बागान और केरला ब्लास्टर्स में विपरीत फॉर्म वाली टीमों का मुकाबला होगा

कोलकाता,

मोहन बागान सुपर जायंट बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में इन-फॉर्म केरला ब्लास्टर्स एफसी से भिड़ने के लिए तैयार होंगे. मैरिनर्स नौ मैचों के बाद मुसीबत भरे हालात में फंसे हुए हैं, क्योंकि उन्हें पिछले दो मैचों में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों के हाथों हार मिली. जीत की पटरी से उतरने का यह सिलसिला मुम्बई में आइलैंडर्स के हाथों 2-1 की उनकी करारी हार के साथ शुरू हुआ और फिर एफसी गोवा ने मजबूत प्रदर्शन करके मैरिनर्स को उनके ही घर में 4-1 से मात दी. जुआन फेरान्डो को तमाम समस्याओं के जवाब ढूंढने के लिए ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाने की आवश्यकता होगी क्योंकि लगातार चोटों और प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण उनके पास एक कम क्षमतावान टीम रह गई है. दूसरी ओर, केरला ब्लास्टर्स एफसी एक ऐसी इकाई है जो इस सीजन में फॉर्म दिखा रही है और मैरिनर्स की लड़खड़ाहट के रूप में इस अवसर को लेकर उत्सुक नजर आ रही है. हेड कोच इवान वुकोमानोविच की देखरेख में खेलने वाली टीम ने कप्तान एड्रियन लुना की चोट की चिंताओं को दूर कर दिया है, क्योंकि अन्य वरिष्ठ और अनुभवी स्टार खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी संभाली है और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है. ब्लास्टर्स ने पिछले मैच में मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 के अंतर से हराया था, लेकिन क्या वे आगामी मुकाबले में भी उस तरह का दमदार प्रदर्शन को दोहरा पाएंगे? मैरिनर्स के पास इस हार के अनचाहे सिलसिले को तोड़ने और उन शीर्ष टीमों के करीब पहुंचने का मौका है जो इस समय अंक तालिका में उनसे सिर्फ एक स्थान ऊपर हैं. हालांकि, वे अगले मैच में ब्लास्टर्स से बेहतर प्रतिद्वंद्वी की उम्मीद नहीं कर सकते हैं, क्योंकि उनका केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ शानदार अपराजित रिकॉर्ड है जिसे फेरांडो आगामी मैच में जारी रखना चाहेंगे. आईएसएल में मैरिनर्स अपने छह मैचों में केरला ब्लास्टर्स एफसी को पांच बार हार चुके है और एक मुकाबला ड्रा रहा है. कप्तान एड्रियन लुना की अनुपस्थिति के बावजूद केरला ब्लास्टर्स एफसी पिछले मुकाबले में मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 से हराकर उत्साहित हैं. उन्होंने अपनी आक्रामकता में कमी का कोई संकेत नहीं दिखाया क्योंकि फॉरवर्डों ने दम दिखाया है और शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के अलावा दिमित्रियोस डायमंटाकोस

और क्रामे पेप्राह की स्ट्राइकर जोड़ी ने एक-एक गोल करके अपनी सटीक क्षमता का प्रदर्शन किया. वुकोमानोविच के लिए अगले मैच में क्लीन शीट रखना राहत की बात होगी, क्योंकि उनकी टीम ने अपने पिछले दो मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है और आखिरी बार उनका यह सिलसिला दिसम्बर 2014 में तीन मैचों तक चला था.

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने भाग्य का साथ भी जरुरी : द्रविड़

सेंचुरियन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने के लिए टीम को बेहतर प्रदर्शन के साथ ही किस्मत का साथ भी चाहिये। भारतीय टीम पिछले 31 साल से यहां कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। भारतीय टीम ने साल 1992 में पहली बार दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। उसके बाद से ही टीम को यहां सीरीज जीत का इंतजार है। पिछले 31 साल में उस देश में आठ टेस्ट श्रृंखला में से एक को भी जीतने में सफल नहीं रही है। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में 23 टेस्ट में केवल चार जीते हैं। द्रविड़ ने कहा, 'हम कई बार जीत के करीब पहुंचे पर सफल नहीं हुए हालांकि हमने यहां कुछ अच्छी क्रिकेट खेली है। हम कुछ अहम पलों में हावी होने में सफल नहीं हुए। हमें कई बार ऐसा लगा कि अगर टीम ने यहां 40-50 रन और बनाए होते तो हम बेहतर हालत में रहते। कोच के अनुसार पहले पिछले दौरे पर जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन किया था उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम पिछले दौरे पर 1-0 की बढ़त बनाने के बाद भी अंत में लय बरकरार नहीं रखने के कारण् 1-2 से सीरीज हार गयी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने पिछले दौरे पर काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। इससे हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। अब हमारे गेंदबाजी आक्रमण के पास इन हालातों में 20 विकेट लेने की क्षमताएं हैं। द्रविड़ ने कहा, 'ऐसे में आपको थोड़े से भाग्य की भी जरूरत होती है, बहुत सारे अवसर होते हैं जो आपके हाथ से निकल जाते हैं। कई बार ऐसा होता है जब गेंद बल्ले के बेहद करीब से निकल जाती है।

आप चाहते हैं कि आपको किस्मत का साथ मिले और गेंद प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों के बल्ले का किनारा लेकर निकले। द्रविड़ ने साथ ही कहा, 'भाग्य का साथ भी तभी मिल सकता है जब आप अपने कौशल का अच्छा इस्तेमाल कर यह तय करें कि आप गेंद सही जगह पर फेंक रहे हैं। जब आवश्यक हो तो आप अपना अनुशासन और धैर्य बनाए रखें।

टेस्ट सीरीज में जीत पर भी विश्वकप की हार नहीं भूल सकेंगें : रोहित

सेचुरियन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले विश्वकप में मिली हार पर भी बात की। रोहित ने कहा यहां अगर टी टेस्ट सीरीज में जीत भी दर्ज करती है तो भी 2023 विश्व कप में मिली हार को उनकी टीम नहीं भूल सकती। रोहित से जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में हार के बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी उस हार से उबरने का प्रयास करेंगे पर ये आसान नहीं होगा। रोहित ने कहा, हमने दक्षिण अफ्रीका में कभी कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और अगर हम यहां ऐसा कर पाएंगे तो यह बहुत बड़ी बात होगी। मुझे नहीं पता कि क्या यह विश्व कप हार का दर्द कम कर सकेगा। अगर हम इसे हासिल कर लेते हैं तो यह एक अच्छी बात होगी। इतनी मेहनत की है तो कुछ तो मिलना ही चाहिए हमें। गौरतलब है कि भारतीय टीम आज तक दक्षिण अफ्रीका में कभी भी नहीं जीत पायी है। ऐसे में रोहित इस बार सीरीज जीतकर ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय कप्तान बनना चाहेंगे। रोहित ने यह भी माना कि इन दिनों इतना क्रिकेट हो रहा है कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ना ही पड़ता है। उन्होंने कहा, जिस तरह से हम खेले, आप एक कदम आगे बढ़ने की उम्मीद करते हैं। बदकिस्मती से, हम ऐसा नहीं कर सके। वह सबसे कठिन हिस्सा था। आपने देखा कि हम 10 मैच कैसे खेल पाए। उन्होंने कहा, फाइनल में हमने कुछ चीजें ठीक से नहीं की और इसलिए हम हार गए। यह कठिन है पर जीवन में, आगे बढ़ना ही होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चार नये खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी गयी है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरने वाली भारतीय टीम में चार नये खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है। भारतीय टीम इस दौरे में तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। हरमनप्रीत कौर दोनों ही प्रारुपों में कप्तान रहेंगी। वहीं अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना उप कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारतीय टीम में पहली बार श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक और टिटास साधु जैसी युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। स्पिनर कश्यप को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में लिया गया था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था अब देखना है कि उन्हें अंतिम ग्यारह में अवसर मिलता है या नहीं।

वहीं श्रेयंका ने इस महीने की शुरूआत में ही इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था जबकि सैका इशाक ने पहले महिला प्रीमियर लीग में मुंबई की टीम की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। एकदिवसीय सीरीज के सभी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय मैच 28 दिसंबर को जबकि दूसरा मैच 30 दिसंबर और तीसरा व अंतिम मैच दो जनवरी को खेला जाएगा। इसके बाद नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 5, 7 और 9 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी।

एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम इस प्रकार है :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देयोल।

टी20 टीम के लिए टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

संक्षिप्त समाचार

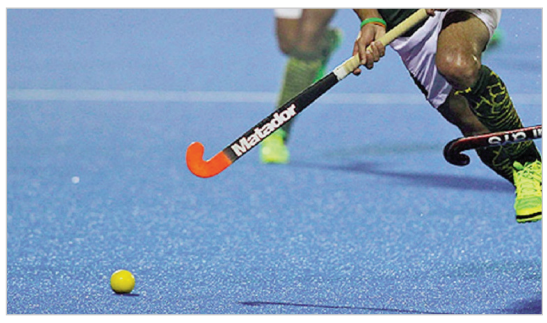

पाकिस्तान हॉकी महासंघ पर निलंबन का खतरा मंडराया

हटाये गये अध्यक्ष ने दी एफआईएच के पास जाने की धमकी

कराची । पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) पर निलंबन का खतरा मंडरा रहा है। इसका कारण ये है कि पीएचएफ से हटाये गये खालिद सज्जाद खोकर ने कहा है कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर के इस फैसले के खिलाफ अदालत जाएंगे। इसके अलावा वह अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से भी इस मामले की शिकायत करेंगे। इससे पहले कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने पीएचएफ में बदलाव करते हुए नये अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी थी। खोकर साल 2015 से ही पीएचएफ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी और मीर तारिक हुसैन बुगाटी को नया अध्यक्ष बनाये जाने के फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। खोकर ने कहा, 'मैं अदालत की में जाऊंगा। साथ ही कहा कि जब तक यह असंवैधानिक और गैर कानूनी फैसला नहीं बदला जाता, तब तक मैं हार नहीं मानूंगा। उन्होंने कहा, 'मैं टकराव से बचना चाहता था पर अब मेरे पास अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और एफआईएच के पास जाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। खोकर जानते हैं कि एफआईएच नई नियुक्ति को सरकारी हस्तक्षेप मानकर पीएचएफ को निलंबित भी कर सकता है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुजीब , नवीन और फजलहक पर लगाया प्रतिबंध विदेशी लीग नहीं खेल पायेंगे

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने देश की जगह पर व्यक्तिगत हितों को अधिक महत्व देने के लिए तीन खिलाड़ियों मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी और नवीन उल हक पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब ये तीनों खिलाड़ी किसी भी विदेशी लीग में नहीं खेल पायेंगे। एसीबी ने इन तीनों खिलाड़ियों के साल 2024 के वार्षिक केंद्रीय अनुबंध को भी रोक दिया है। इसके अलावा अगले दो वर्षों के लिए तीनों खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं मिलेगा। इसके अलावा अगर पहले किसी लीग में खेलने के लिए उनके पास कोई एनओसी है तो उसे भी रद्द माना जाएगा। । एसीबी के अनुसार तीनों खिलाड़ियों ने हाल ही में बोर्ड को एक जनवरी 2024 से शुरू होने वाले वार्षिक केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने को कहा था। साथ ही फ्रैचाइजी टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति भी मांगी थी। बोर्ड के बयान में कहा, 'इन खिलाड़ियों ने टी20 लीगों और अन्य वाणिज्यिक लीगों में हिस्सा लेने के लिए केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किया थे। वे अफगानिस्तान के लिए खेलने की बजाय उनके व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दे रहे थे। इसी कारण ने इन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया गया है। इससे पहले मुजीब को हाल ही में आईपीएल नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो करोड़ में खरीदा था। वह इस समय मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम के साथ बीबीएल में हैं। नवीन आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हैं, और फजल हक फारूकी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में हैं। अब अब ये तीनों इन लीग मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे।

सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए अभ्यास शिविर आज से

34 खिलाड़ी भाग लेंगी

नई दिल्ली । ओलंपिक क्वालीफायर और हॉकी फाइव्स विश्व कप को देखते हुए हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए एक अभ्यास शिविर लगाया है। इस शिविर के लिए 34 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। ये सभी खिलाड़ी बुधवार से शुरु हो रहे इस कोचिंग शिविर में शामिल होंगी। इससे पहले भारतीय टीम ने स्पेन में पांच देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में 13 से 19 जनवरी तक होने हैं जिसमें भारतीय टीम पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ एक ग्रुप में है। वहीं पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीमें रहेंगी। इससे पहले भारतीय टीम ने रांची में महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था और अब उसे बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। वहीं भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने कहा, ''पांच देशों के टूर्नामेंट में खेलने से भारतीय टीम को अपनी कमजोरियों के बारे में पता चला है। जिन्हें अब इस अभ्यास शिविर में ठीक किया जाएगा। साथ ही कहा कि हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां सुधार हो सकता है। शिविर के दौरान इन पर काम करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद टीम रांची में दोबारा खेलने को लेकर उत्साहित है। इस दौरानहम अपने खेल को बेहतर करने पर ध्यान देंगे जिससे हम पेरिस ओलंपिक 2024 में क्वालीफाई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर सकें।'' अभ्यास शिविर के बाद भारतीय टीम मस्कट जाएगी जहां उसे 24 से 27 जनवरी तक हॉकी फाइव्स विश्व कप में खेलना है।

अभ्यास शिविर में भाग लेने वाली संभावित खिलाड़ी हैं:

गोलकीपर: सविता, रजनी एटिमार्पु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी

डिफेंडर: दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी

मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर

फॉरवर्ड: लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग।

टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर पर समय आने पर फैसला लेंगे : रोहित

जोहानिसबर्ग । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर सही समय पर फैसला लेंगे। वहीं जब रोहित से पूछा गया कि वह बल्लेबाज के तौर पर आने वाले दो साल में अपने को कहां देखते हैं। तो इसपर उन्होंने कहा, 'जो भी क्रिकेट मेरे लिए है, मैं खेलूंगा। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या आप और विराट कोहली टी20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं तो उन्होंने कहा, 'सभी को क्रिकेट खेलने की इच्छा रहती है। ऐसे में खिलाड़ी को जो भी अवसर मिले, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है। रोहित ने इस दौरान ये भी कहा कि विश्व कप फाइनल की हार को स्वीकार कर पाना टीम में सभी के लिए कठिन था पर आगे बढ़ने के लिए उन्हें इससे उबरना पड़ता ही है। उन्होंने कहा, 'विश्व कप फाइनल तक हम काफी अच्छा खेले पर खिताबी मुकाबले में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। इसी कारण वह मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, हमने विश्वकप के लिए कड़ी मेहनत की थी और हम पहले 10 मैच और फाइनल में कैसा खेले सभी ने देखा। ये सही है कि हम फाइनल में उम्मीद के अनुसार नहीं कर पाये जिसका हमें नुकसान उठाना पड़ा।

खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने खुशी जतायी

नई दिल्ली । देश की शीर्ष महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने आजकल खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर खुशी जतायी है। अंजू ने इसके लिए मोदी सरकार की प्रशंसा की है। इसके साथ ही अंजू ने कहा कि मुझे ये देखकर लगता है कि मैंने गलत दौर में प्रतिस्पर्धा की थी। क्रिसमस के अवसर पर एक कार्यक्रम में विश्व चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में मैंने तकरीबन 25 वर्षों तक प्रतिस्पर्धा की और मैं बहुत सारे बदलाव देख रही हूं। जब मैंने 20 साल पहले भारत को पहला पदक दिलाया था तब मेरा विभाग भी मुझे पदोन्नति देने के लिए तैयार नहीं था।आज आज बदलाव साफ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन नीरज (चोपड़ा) के ओलंपिक पदक जीतने के बाद मैंने बदलाव देखे हैं। जिस तरह से हम जश्न मना रहे हैं उससे कभी-कभी मैं उनसे ईर्ष्या करने लगती हूं क्योंकि हमें ये सब नहीं मिला था। गौरतलब है कि पेरिस में 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता रही अंजू ने महिला सशक्तिकरण के बारे में कहा कि कैसे देश अब एथलीटों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाता है।

आईपीएल से हुआ भारतीय क्रिकेट का विकास : गंभीर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके शुरु होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट को काफी लाभ हुआ है और नई प्रतिभाएं सामने आयी हैं। साथ ही कहा कि अगर बीसीसीआई आईपीएल शुरु नहीं करता तो वह बड़ी भूल होती। गंभीर के अनुसार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली आईपीएल अब अपने 17वें संस्करण के लिए तैयार है। साथ ही कहा कि यह मार्की टी20 इवेंट घरेलू खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अहम मंच साबित हुआ है। इससे भारतीय क्रिकेट का काफी विकास हुआ है। इस बार की नीलामी में पंजाब किंग्स में शामिल होकर हर्षल पटेल (11.75 करोड़ रुपये) हासिल करने के साथ ही सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बनकर उभरे। वहीं अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में, समीर रिजवी ने सबसे अधिक बोली हासिल की। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि कुमार कुशाग्र को दिल्ली कैपिटल्स ने 7.2 करोड़ रुपए में खरीदा। नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा, जो लीग के नीलामी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फ्रेंचाइजियों ने इस नीलामी में कुल 230.45 करोड़ रुपए में 72 खिलाड़ियों को चुना, जिनमें 30 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल थे।

न्यूजीलैंड दौरे में पाक टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच होंगे यासिर

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व ऑलराउंडर यासिर अराफात को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए 'हाई परफॉर्मेंस कोच' नियुक्त किया है। यासिर साइमन हेल्मुट की जगह लेंगे, जो ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच हैं। अगले महीने न्यूजीलैंड में होने वाली 5 मैचों की इस सीरीज के लिए पीसीबी अपनी ओर से कोई कमी नहीं करना चाहता है। इसी लिए यासिर को अहम जिम्मेदारी दी गयी है। यासिर पाकिस्तान टीम के साथ ही न्यूजीलैंड दौर के लिए रवाना होंगे, ये सीरीज 12 जनवरी से खेली जाएगी। पाक चयनकर्ताओं ने पहले ही न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए अपनी 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी थी। इस सीरीज से टीम को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैयारी का अवसर मिलेगा। यासिर ने पाकिस्तान की ओर से अपने करियर में कुल 3 टेस्ट, 11 एकदिवसीय और 13 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 9, वनडे में 4 और टी20 में 16 विकेट हैं। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम एक अर्धशतक भी शामिल है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पाक टीम इस प्रकार है।

शाहीन अफरीदी (कप्तान), आमिर जमाल, अब्बास अफरीदी, आजम खान, अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह खान, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम, साहिबजादा फरहान, साइम अयूब, उसामा मीर और जमन खान।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीवन में पहली नौकरी का उत्साह जहां मेहनत से मन लगा कर काम करने में मदद करता है, वहीं शुरू-शुरू में थोड़ा बहुत नर्वस होना भी स्वाभाविक है। इस दौरान जहां नियमों में बंध कर अपने कार्य को सुचारु रुप से करना जरूरी है, वहीं बॉस सहित अपने सहकर्मियों से सही तालमेल बिठाना भी अनिवार्य है। कुल मिला कर कार्यक्षेत्र में खुद को काम के अनुसार ढालना एक कला है।

फर्स्ट जॉब उम्मीदों और चुनौतियों की शुरुआत

नई जॉब, नए अनुभव

राघव देसाई 23 साल के हैं। उनकी पहली नौकरी कैम्पस प्लेसमेंट के जरिए लगी। बकौल राघव, 'ऑफिस का वर्क कल्चर काफी अच्छा है। सभी सीनियर काफी मददगार हैं। यहां तक कि उनके द्वारा दी गई सलाह ध्यान से सुनने लायक होती है। ऐसी पॉजटिव सोच न सिर्फ सीखते रहने के गुण को बनाए रखती है, बल्कि उसे अपना कर अनुभवी व कुशल कर्मी के रूप में आपकी पहचान बनती है।

उधर अपनी 6 माह पुरानी पहली नौकरी के बारे में रीमा झा कहती हैं, 'नए कल्चर व नए लोगों के साथ काम करना जितना रोचक है, उतना ही कठिन भी। शुरुआती दिनों में नए लोगों के साथ एडजस्ट करना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल हुआ, लेकिन अब सब ठीक है।' रीमा अपनी इस जॉब से खुश हैं, लेकिन कहती हैं कि जब तक मन लगेगा, तभी तक इसे करेंगी, नहीं तो बदल लेंगी। वहीं कुछ दिन पहले अपनी पहली नौकरी ज्वॉइन करने वाले रवि आर्या कहते हैं, 'मैं फिलहाल जल्दी जॉब नहीं बदलूंगा और कम से कम एक साल तक यहीं काम सीखना चाहूंगा।' पहली नौकरी पाना जहां आपका सपना सच होने जैसा होता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

ब्रांड की जगह रुचि पर ध्यान दें

बड़े ब्रांड की बजाए अपनी रुचि पर ध्यान दें। ऐसा काम करें, जो आपकी रचनात्मकता को रूप दे, फिर चाहे कंपनी बड़ी हो या छोटी। ऐसा भी देखा जाता है कि युवा अपने अभिभावकों या वरिष्ठों की सलाह पर अधिक चलते हैं और विशेषज्ञों की कम, जबकि होना इसका उलटा चाहिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आपको सीखने का मौका मिल रहा है तो ये काफी है। कुछ लोग पहली जॉब से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पाल लेते हैं, लेकिन ये गलत है। पहली जॉब में आपको कितनी सैलरी मिल रही है, ये बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता। कुछ समय अपने काम को समझने में लगाना चाहिए और अपनी स्किल्स को और मजबूत बनाना चाहिए। पहली जॉब एक मकान की बुनियाद की तरह होती है।

कंपनी को समझने का प्रयास करें

जरूरी है कि जिस कंपनी को आपने अपनी कार्य रुचि के हिसाब से चुना है, उसमें ही काम शुरू करें। एक बड़ी कंपनी में बतौर जनरल मैनेजर काम कर रहे एक शख्स ने बताया कि किस तरह उनके एक मित्र ने खुद को मिसफिट पाने पर पहली नौकरी छोड़ी थी। दरअसल उन्हें लगा था कि वह अपने कार्य के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए वह संस्थान के लायक नहीं हैं।

नौकरी बदलने की होड़ में शामिल न हों

अक्सर देखने में आता है कि पहली नौकरी ज्वॉइन करते ही उसे बदलने की होड़-सी लग जाती है। ये आपकी गलतफहमी है कि अगर आप जल्दी-जल्दी कंपनी बदलेंगे तो आपका प्रोफाइल मजबूत होगा। रितेश सिंह जब एक बड़े मीडिया हाउस में इंटरव्यू के लिए गए तो उनसे पूछा गया कि आखिर उन्होंने बीते 5 साल में 7 नौकरियां क्यों बदलीं? पर उनके पास उसका कोई उचित जवाब नहीं था। दरअसल जल्दी-जल्दी जॉब बदलना आपके नेगेटिव प्रोफाइल को बढ़ाता है, इसलिए इससे बचें। अगर आप जल्दी-जल्दी जॉब बदलेंगे तो किसी भी कंपनी में जाने पर सबसे पहले आपकी स्टेबिलिटी पर प्रश्नचिह्न लगेगा। दरअसल आपने किस कम्पनी में कितने समय काम किया और क्या सीखा, ये बहुत मायने रखता है। दरअसल हर कंपनी कर्मचारी की ट्रेनिंग पर अपने रिसोर्स खर्च करती है और अगर आप जल्दी ही कंपनी छोड़ देते हैं तो न तो उन स्किल्स का आप इस्तेमाल कर पाते हैं और न ही वह सब आपकी प्रोफाइल में जुड़ ही पाता है।

कैंपस सेलेक्शन के फायदे

कुछ लोग यह मानते हैं कि ग्रेजुएशन के बाद सीधे कैम्पस प्लेसमेंट से प्रगति रुक जाती है। करियर में अच्छी उन्नति नहीं मिल पाती। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके भी रास्ते हैं। अगर आपने ग्रेजुएशन के बाद जॉब ज्वॉइन की है तो आप पोस्ट ग्रेजुएशन करके अच्छी पदोन्नति पा सकते हैं, क्योंकि आजकल ऐसा करना आम बात हो चुकी है। कुछ कम्पनियां तो अपने कर्मचारियों के लिए कई तरह के शैक्षिक प्रोग्राम भी चलाती हैं, ताकि आप कमाई के साथ-साथ पढ़ाई भी कर सकें। एक सर्वे में देश भर के एक हजार से अधिक सीईओ के विचार जाने गए, जिससे पता चला कि 80 प्रतिशत सीईओ अपनी पहली नौकरी में करीब पांच वर्ष टिके रहे थे। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पहली नौकरी किस तरह आपके करियर की बुनियाद मजबूत करने के लिए जरूरी होती है। यदि आप पहली नौकरी में लंबा समय गुजारते हैं तो कहीं भी सफलतापूर्वक काम कर सकते हैं, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि एक सफल शुरुआत से आधा लक्ष्य पूरा हो जाता है। हालांकि एक अच्छी शुरुआत के लिए कई बातों को दिमाग में रखना होता है।

अनुशासनहीनता न हो

कुछ वरिष्ठ मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का मानना है कि कंपनियां फ्रेशर्स को काम के जरूरी हुनर सीखने का पूरा मौका देती हैं। इसके बावजूद अगर वह जरूरी काम नहीं सीख पाते तो भी चिंता की बात नहीं होती। लेकिन याद रखना चाहिए कि अनुशासनहीनता, झूठ, गलत व्यवहार आदि को कहीं भी बर्दाश्त नहीं किया जाता।

सॉफ्टवेयर डेवलपर फिल्ड में करियर की नई संभावनाएं

जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी.

टेक्नोलॉजी और कम्प्यूटर, दोनों को मिलाकर तैयार सॉफ्टवेयर डेवलपर का फील्ड आने वाले समय में और विस्तृत होगा और करियर की नई संभावनाओं को सामने लाएगा. इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी ने समाज में जबर्दस्त बदलाव लाने का काम किया है क्योंकि इसके जरिए कम्युनिकेशन सेक्टर, इंटरनेट एक्सेस प्वांइट, इंटरनेट सिस्टम को नई दिशा मिली है. जिस तरह से इंटरनेट दुनिया का विस्तार हो रहा है, माना जा रहा है कि आने वाले समय में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर डेवलपर की काफी डिमांड होगी. मालूम हो, सॉफ्टवेयर डेवलपर वह शख्स होता है जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग या एप्लीकेशन डेवलप करता है.

शिक्षा- सॉफ्टवेयर डेवलपर बनने के लिए आपके पास कम्प्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सहित इसके समकक्ष विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. अभ्यर्थी के पास गणित की डिग्री काफी मायने रखती है क्योंकि सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग में गणित का इस्तेमाल काफी अहम है.

इंटीरियर डिजाइनर सजाते हैं घर और दफ्तर

घर हो या दफ्तर, हर जगह अगर मेरी छाप दिख सके तो बात बन जाए। शायद आज हर व्यक्ति कुछ इसी तर्ज पर सोचता है। इस सोच को पूरा करने और अपने घर और दफ्तर को मन-मुताबिक सजाने के लिए हमें एक प्रोफेशनल की जरूरत पड़ती है। ये प्रोफेशनल कहलाते हैं इंटीरियर डिजाइनर, जो अपनी कला और हमारी पसंद को मिला कर जगह को एक नया रूप देते हैं। बतौर इंटीरियर डिजाइनर, आपको प्रबंधन की कला के अलावा एक्सक्लूसिव फर्नीचर, आर्ट पीसेज और फर्निशिंग के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

इंटीरियर डिजाइनर का काम

एक इंटीरियर डिजाइनर का काम उपलब्ध जगह का अधिकाधिक इस्तेमाल करना है। साथ ही जगह को अपने क्लाइंट की पसंद और उसके बजट को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक व्यावहारिक बनाना भी है। वह नए-पुराने घर-दफ्तर, होटल-रेस्तरां, स्टूडियो आदि को लोगों की पसंद के मुताबिक तैयार करता है। आमतौर पर इंटीरियर डिजाइनर दीवारों और छतों के किसी भी ढांचे को सजाने का काम करता है, जिसमें वे फर्निशिंग यानी पर्दे, टेबल कवर, बेड कवर, सोफा कवर आदि के साथ फर्नीचर और घर में लाइट का प्रबंध करता है। यह प्रबंध सिर्फ देखने में ही नहीं, बल्कि रहने के लिहाज से भी व्यावहारिक होता है। आपकी किचन में कितने ड्रॉर होंगे, गैस के साथ चिमनी लगनी चाहिए या वेंटिलेशन का कोई और तरीका हो, इन सब मुद्दों पर भी वे मदद करता है। घर में हर कमरे के लिए अलग रंग, अलग फर्निशिंग्स व फर्नीचर को चुनने में वह सहायता करता है।

कैसे करें शुरुआत

इंटीरियर डिजाइनिंग में कई संस्थान डिप्लोमा कोर्स मुहैया करा रहे हैं। इन पाठय़क्रमों के लिए आप 12वीं के बाद आवेदन कर सकते हैं। इनमें प्रवेश के लिए कई संस्थान प्रवेश परीक्षा के साथ आपकी ड्राइंग की कला भी आंकते हैं। बेहतर रहेगा कि आप अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे आप संस्थान की ओर से आयोजित इंटरव्यू के दौरान दिखा सकते हैं। आप विभिन्न पॉलिटेक्निक या निजी संस्थानों से इस कोर्स के लिए अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कई नामी-गिरामी संस्थान व विश्वविद्यालय, खासकर डिजाइनिंग से जुड़े हुए, अपने यहां छात्रों को 4 वर्ष का डिग्री कोर्स भी मुहैया कराते हैं, जिसमें वे डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं के साथ क्राफ्टमैनशिप की भी कुछ जानकारी अपने छात्रों को देते हैं। इसके अलावा आप किसी अन्य विषय में ग्रेजुएशन करने के बाद भी इस प्रोफेशन को अपना सकते हैं। आमतौर पर कला या विज्ञान विषयों में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा के जरिये इंटीरियर डिजाइनिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे रेजिडेंशियल डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग या लैंडस्केप डिजाइनिंग में स्पेशलाइजेशन हासिल करते हैं।

क्या हों खूबियां

अगर आपमें रचनात्मकता है और अधिक से अधिक लोगों के साथ मिल कर नई-नई चुनौतियों का मुकाबला करना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग आपके लिए एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है।

आप किसी भी विषय की जानकारी के बाद यह पाठय़क्रम पढ़ सकते हैं, लेकिन अगर आपको कला के अलावा डेकोरेटिव सामान, घर में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों और आर्किटेक्चर की मूलभूत जानकारी है तो आपके लिए डिजाइनिंग की राह और आसान हो जाएगी। इसके साथ ही अपने करियर को सफल बनाने के लिए आपको बातचीत की कला के साथ ही सुनने की कला भी आनी चाहिए। अगर आप थोड़ी मेहनत और हर बार नए कॉन्सेप्ट के लिए तैयार हैं तो यहां आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही आप में फैशन, परंपरा और संस्कृतियों को समझने की क्षमता होनी चाहिए, ताकि आप क्लाइंट की पसंद को अपनी रचनात्मकता से साकार रूप दे सकें।

पाठय़क्रम - एमबीए इंटीरियर डिजाइन, एम.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.एससी. इंटीरियर डिजाइन, बी.ए. ऑनर्स इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, बी.ए. इंटीरियर डिजाइन, पी.जी. डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन एंड स्टाइल, डिप्लोमा इन स्टाइलिंग फॉर इंटीरियर्स, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर डेकोरेशन एंड डिजाइन

फीस - किसी भी अच्छे निजी संस्थान से इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कोर्स की सालाना फीस लगभग दो से तीन लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं पॉलिटेक्निक्स सरकार द्वारा तय नियम एवं शर्तों के मुताबिक फीस लेते हैं। फीस व स्कॉलरशिप संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित संस्थान से संपर्क करें।

वेतन - इंटीरियर डिजाइनिंग में दो वर्षीय डिप्लोमा करने के बाद कोई भी छात्र किसी बड़ी कंपनी या डिजाइनर के यहां बतौर इंटर्न 20 हजार रुपय` प्रतिमाह तक कमा सकता है। अनुभव के साथ आपकी आय की कोई सीमा नहीं है। बड़े डिजाइनर एक से दो रूम के लिए दो से तीन लाख रुपये बतौर कंसल्टेंसी मांग लेते हैं।

नफा-नुकसान

- मेहनत के साथ इस क्षेत्र में शोहरत व पैसा कमाना मुश्किल नहीं है
- यहां कई जान-मानी हस्तियों के लिए काम करने का मौका मिल सकता है
- कई बार काम पूरा करने के चलते रात को देर तक या सुबह-सुबह काम करना पड़ सकता है
- इंटीरियर डिजाइनिंग का काम काफी थका देने वाला है, जिसमें कई स्तर के अलग-अलग लोगों से मिलना व उनसे काम निकलवाना पड़ता है

अगर आप क्रिएटिव हैं, मेहनत से मुंह नहीं मोड़ते और नए कॉन्सेप्ट के लिए हमेशा तैयार रहते हैं तो बतौर इंटीरियर डिजाइनर आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। अच्छे इंटीरियर डिजाइनर्स की मांग दिनोंदिन बढ़ रही है।

हमास की नई सुरंग में आईडीएफ को मखमली गद्दों वाले बेड, हाईटेक बॉथरूम और असला मिला

गाजा। गाजा में इजरायल चल रही जंग भयावह होती जा रही है। इस लड़ाई में इजरायल के 1200 से कुछ अधिक लोगों की मौत हुई है। इजरायली हमले में करीब 20 हजार फिलिस्तीनी जान गंवा चुके हैं। गाजा की जंग में इजरायल हमास की जड़ें खोखली कर रहा है। अब इजरायली सेना ने हमास की नई सुरंग खोजी है। इस सुरंग के अंदर आईडीएफ को मखमली गद्दों वाले बेड, हाईटेक बॉथरूम और हथियारों का असला मिला है। इज़राइल रक्षा बलों ने रविवार को खुलासा किया कि उसे गाजा शहर के पास जबालिया शरणार्थी शिविर के नीचे एक बड़े हमास सुरंग नेटवर्क मिला। यह वही जगह है जहां इस महीने की शुरुआत में 5 इजरायली बंधकों के शव बरामद किए गए थे। इजरायली सेना गाजा में हमास के अंडरग्राउंड कमांड सेंटरों पर लगातार छापेमारी कर रही है। इजरायल के मुताबिक हमास ने गाजा में जमीन के अंदर कमांड सेंटरों का मकड़जाल बनाकर रखा है जहां से वह इजरायल के खिलाफ हमलों का जवाब दे रहा है। आईडीएफ ने कहा है कि उसने उत्तरी पट्टी में आतंकवादी समूह हमास के भूमिगत कमांड सेंटर को नष्ट करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। हाल ही में आईडीएफ ने सुरंगों के भीतर समुद्री पानी छोड़ा था। अब छापेमारी करके लगातार कार्रवाई कर रहा है। आईडीएफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडलर पर एक वीडियो पोस्ट किया है। हमास की इन सुरंगों के अंदर बेडरूम बने हैं हाईटेक बॉथरूम हैं और हथियारों-गोला बारूद का जखीरा है। ये सुरंगें आपस में कनेक्ट हैं। इजरायल के ताजा हमले में 166 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हमास ने दावा किया है कि इजरायली सेना ने एक ही रात एयर स्ट्राइक में 70 से अधिक आम लोगों को मार डाला। इसमें अधिकतर बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। उधर आईडीएफ का कहना है कि वह इन दावों की जांच कर रहा है कि पट्टी के केंद्र में दीर अल-बलाह के पूर्व में मघाजी शिविर में इजरायली हवाई हमले में दर्जनों लोग मारे गए थे। एक रिपोर्ट यह भी है कि हमास के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपनी प्रारंभिक मृत्यु संख्या 70 को घटाकर 68 कर दी है। गाजा में मृतकों की संख्या को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

अफगानिस्तान में छठी कक्षा पास करते ही सदमें में आ जाती हैं छात्राएं

काबुल। जहां पढ़ाई में उत्साह होना चाहिए वहीं अफगानिस्तान में छठी कक्षा पास करते ही छात्राएं सदमें में आ जाती हैं। हालांकि साल भर पढ़ाई करने के बाद किसी कक्षा में उत्तीर्ण होना आमतौर पर छात्रों के लिए खुशी का सबब होता है लेकिन अफगानिस्तान में स्थिति इसके विपरीत है। यहां तालिबान के दमनकारी शासन में रह रही छात्राएं छठी कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आगे नहीं पढ़ सकतीं। अफगानिस्तान की बहारा रुस्तम (13) काबुल स्थित बीबी रजिया स्कूल में 11 दिसंबर को आखिरी बार स्कूल गई। उसे पता है कि उसे अब आगे पढ़ने का अवसर नहीं दिया जाएगा। तालिबान के शासन में वह फिर से कक्षा में कदम नहीं रख पाएगी। दो दशक तक चले युद्ध के बाद अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बलों के सितंबर 2021 में अफगानिस्तान से लौटने के एक महीने पश्चात तालिबान ने घोषणा की कि लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ने पर प्रतिबंध होगा। महिलाओं के लिए दमनकारी तालिबानी कदमों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचना हुई और तालिबान को चेतावनी दी गई है कि इस प्रकार के प्रतिबंधों के कारण उसके लिए देश के वैध शासक के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त करना लगभग असंभव हो जाएगा। इसके बावजूद तालिबान महिलाओं पर लगातार प्रतिबंध लगा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत रोजा ओटुनबायेवा ने पिछले हफ्ते चिंता व्यक्त की थी कि अफगान लड़कियों की एक पीढ़ी हर रोज पिछड़ती जा रही है। अफगान शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने पिछले सप्ताह कहा था कि सभी उम्र की अफगान लड़कियों को मदरसों में पढ़ने की इजाजत होगी। इन मदरसों में परंपरागत रूप से केवल लड़के ही पढ़ते हैं। काबुल में रहने वाली 13 वर्षीय सेतायेश साहिबजादा अपने भविष्य को लेकर चिंतित है और अपने सपनों को साकार करने के लिए स्कूल नहीं जा पाने के कारण उदास है।

नॉर्थ कोरिया में क्रिसमस पर बैन

सियोल। दुनियाभर में क्रिसमस की धूम है। इस बीच एक देश ऐसा भी है, जहां क्रिसमस पर बैन लगा है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया में कई तरह के प्रतिबंधों के बीच ईसाई धर्म पर भी बैन है। इस वजह से लोग क्रिसमस सेलिब्रेट नहीं करते। इसके बावजूद अमेरिका से कुछ एक्टिविस्ट समुद्र के रास्ते से लोगों के बीच खुशियां भेजने की कोशिश कर रहे हैं। एक्टिविस्ट्स ने यलो सी में कुछ गिफ्ट फेंके हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये तोहफे जल्द नॉर्थ कोरिया के तटीय शहरों तक पहुंचेंगे।

अमेरिका ने इराक में तीन जगहों पर हवाई हमले किए

वॉशिंगटन। गाजा पट्टी पर इजरायल के हमलों के बीच अमेरिका ने भी क्रिसमस के मौके पर एक नया मोर्चा खोल दिया है। अमेरिका ने इराक में तीन जगहों पर हवाई हमले किए हैं। इन जगहों का इस्तेमाल ईरान समर्थक फोर्स कर रही थीं। इनमें से एक ठिकाने पर हिजबुल्लाह के लड़ाके भी जमे हुए थे। इससे पहले अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाते हुए हमला हुआ था, जिसमें तीन सैनिक घायल हुए थे। उसी का बदला लेते हुए अमेरिका ने यह कार्रवाई की है। हमले को लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि यह जरूरी और सही कार्रवाई थी। ऑस्टिन ने एक्स पर हमले की जानकारी देते हुए लिखा, जो बाइडेन के आदेश पर अमेरिका ने हिजबुल्लाह और उससे जुड़े समूहों के इराक स्थित तीन ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरान समर्थित उग्रवादी संगठनों ने पिछले दिनों इराक और सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर अटैक किए थे। ये हमले उसका ही जवाब हैं। इस हमले में तीन अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए जो बाइडेन सरकार एक इंच भी पीछे नहीं हटेगी और किसी भी ऐक्शन से परहेज नहीं होगा। बयान में कहा गया कि अमेरिका, सैनिकों और देश के हितों के लिए राष्ट्रपति बाइडेन और मैं जरूरी कार्रवाई से हिचकेंगे नहीं। इससे ज्यादा हमारी कोई प्राथमिकता नहीं है। हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अपने बचाव में जरूर आएंगे। दरअसल कतैब हिजबुल्लाह एक शिया उग्रवादी संगठन है। इसकी स्थापना 2007 में की गई थी। माना जाता है कि इसके पीछे ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स का हाथ है।

गाजा में पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है : अमेरिकी सांसद कोर्टेज

वॉशिंगटन। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कोर्टेज ने गाजा पट्टी में हुए हमले की एक तस्वीर साझा की जिसमें मलबे में दबा एक बच्चा था। उन्होंने लिखा की वह गाजा और कब्जे वाले क्षेत्रों में निर्दोषों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गाजा में पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है।

हालाकि इस्राइल और हमास के बीच जारी जंग से इस बार गाजा में क्रिसमस नहीं मनाया गया। इसी को लेकर अमेरिका की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो कोर्टेज ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की जिसके बाद उन्हें आलोचना का शिकार होना पड़ा। कोर्टेज ने स्टोरी पर लिखा था कि यीशु मसीह के जन्मस्थान के रूप में माने जाने वाला फलस्तीन आज इस्राइल के हमलों का सामना कर रहा है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कोर्टेज ने गाजा पट्टी में हुए हमले की एक तस्वीर साझा की थी जिसमें मलबे में दबा एक बच्चा दिखा। उन्होंने लिखा की वह गाजा में निर्दोषों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मसीह का जन्म फलस्तीन में हुआ था जहां आज मासूमों का नरसंहार हो रहा है। वह एक ऐसे क्रूर प्रशासन का निशाना बने थे जो आम लोगों को मार रही थी। मैरी और जोसेफ को हिंसा की वजह से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उसके बाद वो एक नवजात शिशु के साथ एक दिन घर वापस लौटने की आस करते रहे। उन्होंने कहा कि आज हजारों साल बाद दक्षिणपंथी ताकतें हिंसक रूप से बेथलेहम पर कब्जा कर रही हैं जो फलस्तीन के इतिहास को सामने ला रहा है। बेथलेहम में ईसाई समुदाय ने अपनी सुरक्षा और सम्मान के डर से इस साल के क्रिसमस की पूर्व संध्या समारोह को रद्द कर दिया। फिर भी हिंसा वाली जगह पर पवित्र बच्चे पैदा हो रहे हैं। किसी भी पहचान और किसी भी स्थान से पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है। विशेष रूप से गाजा के बच्चे। उन्होंने कहा कि यह त्योहार असहाय लोगों के साथ खड़े होने के बारे में है। क्रिसमस और ईसा मसीह की पूरी कहानी गरीबों और शक्तिहीन, शरणार्थियों, आप्रवासियों, बहिष्कृत और गलत समझे जाने वाले लोगों के साथ बिना किसी अपवाद के खड़े होने के बारे में है। अब डेमोक्रेटिक नेता का पोस्ट वायरल हो रहा है। उनकी काफी आलोचना हो रही है। एक यूजर का कहना है कि वह बिल्कुल बेकार हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने क्रिसमस पर खूब मस्ती की और इस बकवास में शामिल होने में अपना समय बर्बाद नहीं किया। यह मूर्खता है।

बेलग्रेड में डेमोक्रेटिक पार्टी के सरडिजन मलोजोविक सिटी पुलिस स्टेशन के सामने संबोधित करते हुए। इस दौरान यहां विरोध प्रदर्शन भी चल रहा था।

पाक में पहली बार हिंदू महिला विधानसभा चुनाव लड़ेगी

-25 साल की डॉक्टर सवीरा प्रकाश, बिलावल की पार्टी पीपीपी ने टिकट दिया

इस्लामाबाद। 25 साल की डॉक्टर सवीरा प्रकाश को बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया है। सवीरा बुनेर जिले से चुनाव लड़ेंगी। उनके पिता ओम प्रकाश ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान में पहली बार कोई हिंदू महिला विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

सवीरा ने खैबर पख्तूनख्वा की पीके-25 सीट से नॉमिनेशन फाइल कर दिया है। इसके अलावा सवीरा ने महिलाओं के लिए रिजर्व एक सीट के लिए भी नॉमिनेशन फाइल किया है। पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और चार राज्यों की प्रोवेंशियल असेंबलीज के लिए 8 फरवरी को वोटिंग होगी।

पार्टी सांसद ने प्रेरणा दी

खैबर की एक सीट से रूबीना खालिद सीनेटर हैं। उन्होंने सवीरा को चुनाव लडने का हौसला और प्रेरणा दी। इसके बाद पीपुल्स पार्टी ने सवीरा को बुनेर जिले से टिकट देने का फैसला किया। खुद रूबीना ने इसका ऐलान किया। सवीरा के पिता ने कहा- मेरी बेटी सवीरा काबिल कैंडिडेट है। वो 8 फरवरी का चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा रिजर्व सीट से भी उसकी दावेदारी तय है। ओम प्रकाश खुद भी रिटायर्ड डॉक्टर हैं। वो 35 साल से पीपीपी के सदस्य हैं।

रुस का बड़ा दावा कहा- हथियार बनाने में हम सबसे आगे

मॉस्को (एजेंसी)। इस वक्त पूरी दुनिया में हथियार बनाने की होड़ लगी हुई है। सभी को लगता है कि ज्यादा से ज्यादा हथियार रखेंगे तो सुरक्षित हो जाएंगे। इसी सोच के चलते चीन और उत्तर कोरिया के अलावा कई देशों ने घातक हथियारों का जखीरा बनाना शुरु कर दिया है। यूक्रेन-रुस और हमास-इजराइल के बीच चल रही जंग ने इस सोच को और अधिक बढ़ावा दिया है। रुस के मंत्री ने खुले आम दावा किया है कि वो हथियारों के मामले में दुनिया से कम नहीं है। कुछ इसी तरह का इशारा करते हुए रूस के शीर्ष मंत्री डेनिस मंटुरोव ने कहा है कि हथियारों के उत्पादन में पश्चिम की तुलना में रूस का दबदबा है और वह इस बढ़त को बनाए रखने का इरादा रखता है।

हथियार उत्पादन को लेकर हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने कहा है कि तोपखाने, ड्रोन, टैंक और बख्तरबंद वाहनों को बढ़ाने पर उनका ध्यान है। पश्चिम के कुछ नेताओं की ओर से भी कहा गया है कि एक तरफ रूस और चीन तो दूसरी तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों के होने की वजह से एक नए शीत युद्ध के हालात पैदा हो गए हैं।रूस में हथियार उत्पादन का काम देख रहे मंत्री मंटुरोव ने आगे कहा कि मैं घमंड नहीं करना चाहता लेकिन कह सकता हूं कि हमने पश्चिमी देशों की तुलना में पहले

काम करना शुरू कर दिया और हथियार उत्पादन की गति पकड़ ली। अब हम उनसे काफी आगे निकल गए हैं। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला कर दिया था, जिसने यूरोप में रूस और पश्चिम देशों के बीच एक गहरे टकराव को जन्म दे दिया है।

पश्चिम के देश यूक्रेन को समर्थन दे रहे हैं तो रूस लगातार पीछे ना हटने की बात कह रहा है। यूक्रेन के युद्ध क्षेत्रों में रूसी सेना को हराने के प्रयास में यूक्रेन और उसके पश्चिमी समर्थकों ने हथियारों का उत्पादन बढ़ा दिया है। दूसरी ओर रूस ने भी अपने हथियारों का उत्पादन बढ़ाया है।मंटुरोव ने कहा, हमें हथियार भंडार को फिर से भरना होगा और उत्पादन की दर को बनाए रखना होगा। 2023 में स्टेट रक्षा ऑर्डर की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी हो गई है और कुछ हथियारों का उत्पादन दस गुना तक बढ़ गया है। हथियारों के उत्पादन को देखने वाले डेनिस मंटुरोव ने एक तरफ पश्चिमी देशों की तुलना में रूस से बढ़त लेने की बात कही है, वहीं उन्होंने हथियारों की होड़ के लिए पश्चिम देशों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जहा तक पश्चिमी देशों की बात आती है तो मैं उनके लिए बोलना नहीं चाहूंगा। सवाल यह है कि यह दौड़ कितने समय तक चलेगी।

संसद में भाषण के दौरान नेतन्याहू को बंधकों के परिजनों ने रोका

-बातचीत के दौरान जमकर हुई नारेबाजी, नेतन्याहू ने मांगा और समय

तेल अवीव (एजेंसी)। विशेष संसदीय सत्र के दौरान नेतन्याहू ने बंधकों के परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान नेतन्याहू ने उन परिवारों से ऐसा कुछ कह? दिया कि वे भड़क गए और पीएम को बीच में टोकते हुए नारेबाजी करने लगे। मिली जानकारी के अनुसार लोगों ने नेतन्याहू को ऐसी बात कह दी जिससे वह और उनके संसदीय साथी भी हैरान रह गए लेकिन, किसी तरह नेतन्याहू ने लोगों को शांत करने की कोशिश की। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गाजा में बंधकों के परिवार के सदस्यों से नाराजगी झेलनी पड़ी। सोमवार को एक विशेष संसदीय सत्र के दौरान नेतन्याहू लोगों से मिल रहे थे। अपने भाषण में नेतन्याहू ने लोगों से कहा कि वे जीत मिलने तक गाजा में रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने लोगों से उनके प्रियजनों को जल्द लाने का आश्वासन दिया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें इसके लिए और समय चाहिए। एक तरफ नेतन्याहू अपना भाषण दे रहे थे तो दूसरी ओर अपने प्रियजनों की तस्वीरों और नामों के साथ पोस्टर लिए लोग उन्हें सुन रहे थे। नेतन्याहू के समय मांगने पर परिवारों ने असहमति व्यक्त की।

इस दौरान भीड़ में से एक ने कहा कि हमारे पास समय नहीं है। एक आवाज के साथ ही भीड़ ने भी चिल्लाना शुरू कर दिया। वे एक साथ चिल्लाने लगे- हमे हमारे अपने अभी चाहिए। इस तरह संसद के भीतर जोरदार नारेबाजी चलने लगी। इस घटना से नेतन्याहू कुछ देर के लिए चुप हो गए। वहीं सुरक्षाकर्मियों ने शोर मचा रहे लोगों को शांत कराने की कोशिश की। फिर नेतन्याहू ने बोलना शुरू किया। नेतन्याहू ने अपना दृढ़ संकल्प दोहराते हुए कहा कि हमारे बच्चे व्यर्थ नहीं मरे हैं। हमें तब तक युद्ध नहीं रोकना है जब तक हम उन लोगों पर पूरी जीत हासिल नहीं कर लेते जो हमें मारना चाहते हैं। जब नेतन्याहू लोगों को संबोधित कर रहे थे तो कुछ परिवार उखड़े हुए नजर आए। भीड़ में से एक ने पीएम से कहा- मेरी बेटी 80 दिनों से उनके कब्जे में है। मेरे लिए हर एक मिनट नरक जैसा लग रहा है। अगर आपका बेटा उनके पास होता तो ! जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

भारत और रुस के संबंध हमेशा मजबूत रहेंगे : जयशंकर

मास्को (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत से पहले कहा है कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। जयशंकर रूस के नेतृत्व के साथ बैठक करने के लिए रूस की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ विभिन्न द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होनी हैं। उन्होंने कहा कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को हमेशा सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। जयशंकर ने कहा कि कनेक्टिविटी, बहुपक्षवाद, बड़ी शक्ति प्रतिस्पर्धा और क्षेत्रीय संघर्षों पर भी चर्चा की गई। जयशंकर ने कहा कि भू-राजनीति और रणनीतिक अभिसरण भारत-रूस संबंधों को हमेशा सकारात्मक पथ पर बनाए रखेगा। यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बावजूद भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत बने रहे।

आर्थिक जुड़ाव से संबंधित मामलों पर चर्चा के लिए उनका रूस के उप प्रधान मंत्री और उद्योग और व्यापार मंत्री डेनिस मंटुरोव से मिलने का कार्यक्रम है। वह द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए अपने रूसी समकक्ष लावरोव के साथ भी बातचीत करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने जयशंकर की यात्रा से पहले नई दिल्ली में कहा, समय-परीक्षणित भारत-रूस साझेदारी स्थिर और लचीली बनी हुई है और विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की भावना की विशेषता बनी हुई है।

युद्ध के कारण गाजा में भुखमरी के हालात

-22 लाख आबादी को खाने की कमी; खाने के लिए लाइन में 10 घंटे तक इंतजार

गाजा पट्टी (एजेंसी)। इजराइल और हमास के युध्द के कारण गाजा में भुखमरी जैसे हालात हो गए है। गाजा की 90 प्रतिशत आबादी खाने की कमी से जूझ रही है। लोगों को खाने के लिए लाइनों में 10 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। उधर, इजराइल और हमास की जंग थमने की एक और उम्मीद को बड़ा झटका लगा है। हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकी संगठनों ने इजिप्ट के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें कहा गया था कि अगर ये दोनों संगठन गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत को सौंप देते हैं तो इजराइल परमानेंट सीजफायर कर देगा। दूसरी तरफ, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा का दौरा किया। बाद में कहा- हम फिर साफ कर देना चाहते हैं कि इजराइली सेना इस जंग को तब तक बंद नहीं करेगी, जब तक वो यहां से हर आतंकी संगठन का कब्जा खत्म नहीं कर देती।

इजिप्ट में कई दिनों से हमास, इस्लामिक जिहाद और कुछ इजराइली अफसरों के बीच बातचीत चल रही थी। इसका मकसद गाजा में परमानेंट सीजफायर कराना था। इजिप्ट ने हमास और इस्लामिक जिहाद के सामने प्रस्ताव रखा था कि अगर वो परमानेंट सीजफायर चाहते हैं तो दो शर्तें माननी होंगी। पहली- तमाम बंधकों को फौरन रिहा करना होगा। दूसरी- गाजा की हुकूमत किसी तीसरी ताकत या संगठन को सौंपनी होगी। दोनों ही संगठनों ने यह मांग खारिज कर

दी। हमास के एक नेता ने कहा- इजिप्ट वाले हमारे भाई हैं, लेकिन उनकी दोनों बातें नहीं मानी जा सकतीं। सबसे पहले तो इजराइली हमले बंद होने चाहिए। इसके बाद कोई बातचीत हो सकेगी। इसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल होगी। इस बातचीत में कतर भी शामिल था।

गाजा के स्कूल से हथियार बरामद

इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने गाजा सिटी के दाराज और तुफा इलाकों में रेड की। इस दौरान एक स्कूल से घातक हथियार और फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली जैकेट्स बरामद की गईं। एक इजराइली अफसर ने कहा- हमास के एक आतंकी ने पूछताछ में हमें इस स्कूल के बारे में बताया था। हालांकि, जब हमारी टीम ने वहां छापा मारा तो न सिर्फ हथियार और सुसाइड जैकेट्स मिले, बल्कि कई आतंकी भी गिरफ्तार किए गए। ये सभी लोग स्कूल और बाजू के एक कॉम्पलेक्स में छिपे थे। इजराइली सेना का मानना है कि नॉर्थ गाजा के दाराज-तुफा में हमास की जो बटालियन मौजूद है, वो इस इलाके में मौजूद आतंकी संगठन का आखिरी दस्ता है। रेड में सैकड़ों बंदूक, हैंड ग्रेनेड और 15 फिदायीन जैकेट्स बरामद हुईं। इजराइली सेन ने इसका वीडियो और फोटो भी जारी किए हैं। कुछ दिन पहले इजराइली सेना पर इसी स्कूल से मिसाइल दागी गई थी। इसमें दो इजराइली सैनिक मारे गए थे।

चीन में पड़ रही कड़ाके के सर्दी....बर्फीले तूफान से जीवन अस्त-व्यस्त

-साल 1951 में पड़ी थी इसतरह की सर्दी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। खासकर बीजिंग में तापमान शून्य से बहुत नीचे पहुंच गया है। बीजिंग में बर्फीले तूफान ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

इसके पहले साल 1951 में बीजिंग में इस तरह की सर्दी पड़ी थी जहां बर्फीले तूफान और माइनस तापमान ने लोगों की जीना मुश्किल किया था। चीन में पिछले सप्ताह से रिकॉर्ड तोड़ ठंड महसूस की जा रही है।

आर्कटिक से आ रही ठंडी हवाओं के चलते पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में तापमान शून्य से 40 सेल्सियस (शून्य से 40 फारेनहाइट) नीचे पहुंच गया है। बता दें, बीजिंग में सर्दी का 72 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

बीजिंग में मौसम वेधशाला के मुताबिक, 11 से 24 दिसंबर के बीच 300 घंटे से अधिक समय तक तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में राजधानी ने लगातार नौ दिनों तक शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया।

शेडोंग प्रांत के किंगझोउ में झरने जम गए हैं। चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। वहीं, शेनयांग में हुनहे नदी में पेड़ों की टहनियों पर बर्फ की मोटी-मोटी पर्तें नजर आ रही हैं।

मध्य चीन के हेनान प्रांत और बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम वाले इलाकों में गर्मी प्रदान करने वाली सिस्टम फेल हो गए हैं। जियाओजुओ शहर में थर्मल पावर सप्लायर ज्यादा डिमांड की वजह से बंद हो चुके हैं। जियाओजुओ वांगफांग एल्यूमिनियम मैन्यूफैक्चरिंग में हीटिंग बॉयलर्स हैं, जो इस समय खराब हो चुके हैं। अब वहां गर्म पानी की सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लगातार ठंड के कारण हेनान प्रांत में ऊर्जा आपूर्ति पर तनाव पड़ रहा है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें भयंकर ठंड के चलते कुछ हीटिंग बॉयलर खराब हो गए हैं।

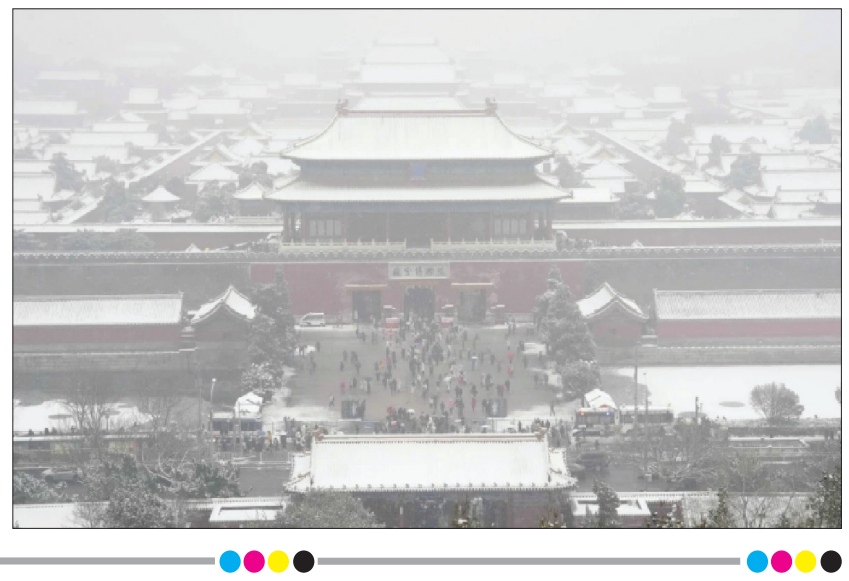

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फांस से लौटे 276 भारतीय

मुंबई । मानव तस्करी के शक में फ्रांस में 4 दिन रोका गया प्लेन बाद मंगलवार सुबह मुंबई ले आया गया। इसने 25 दिसंबर की शाम पेरिस के वाट्री एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। यह मंगलवार सुबह 4 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। सुबह करीब 4:30 बजे रिपोर्ट दी कि इस फ्लाइट से 276 लोग लौटे हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही इनसे पूछताछ की। वहीं, कई लोग मीडिया के सवालों का जवाब देने से बचने के लिए भागते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें ज्यादातर लोग पंजाब, गुजरात और दक्षिण भारत के हैं। पहले इस फ्लाइट के सोमवार दोपहर 2:20 बजे भारत आने की जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग देश वापसी नहीं करना चाहते थे। इस वजह से फ्लाइट के उड़ान भरने में देरी हो गई। इन लोगों ने फ्रांस में ही शरण देने की मांग की थी।

माता-पिता की सुरक्षा पाना बेटी का अधिकार-होई कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि जैसे मां बच्चे की देखभाल करने में सक्षम है, फिर चाहे वह बेटा हो या बेटी। वैसे ही पिता भी संतान की परवरिस करने में सक्षम है। इसलिए केवल जेंडर के आधार पर पिता को बेटी की देखभाल के लिए अक्षम मानना पूरी तरह से अनुचित है। कोर्ट ने आगे कहा कि हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं कि बेटी माता-पिता दोनों का साथ पाने की हकदार है। अभिभावक की सुरक्षा और देखभाल पाना बेटी का बुनियादी मानवाधिकार है। इससे उसे वंचित नहीं किया जा सकता है। इस तरह कोर्ट ने पत्नी को 15 दिन के भीतर बेटी की कस्टडी पिता को सौंपने का निर्देश दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद पत्नी के वकील ने अदालत से अपने फैसले पर 6 सप्ताह के लिए रोक लगाने का आग्रह किया। ताकि वह सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। इसके मद्देनजर कोर्ट ने चार सप्ताह तक के लिए अपने फैसले पर रोक लगा दी। इस दौरान बेटी की कस्टडी मां के पास रहेगी। कोर्ट ने कहा कि यदि पत्नी बेटी के साथ अमेरिका जाने की इच्छुक हो, तो वह अपने वकील के माध्यम से पति को इसकी जानकारी दे सकती है। कोर्ट ने पति को निर्देश दिया कि वह प्रति माह पत्नी को 500 यूएस डालर दे, जो उसके निजी खर्ज के लिए होंगे। जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और जस्टिस गौरी गोडसे की बेंच ने ग्रीनकार्ड धारक एक बच्ची के पिता की याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा कि इस मामले में बच्ची के पिता का इरादा नेक नज़र आ रहा है। मां का बेटी को पिता के स्नेह से अनुचित तरीके से वंचित करना ठीक नहीं है। पत्नी अमेरिका नहीं जाना चाहती है। उसने यह तय कर लिया है। केवल इस आधार पर पिता को उसकी बेटी से दूर नहीं किया जा सकता है। भारत में पति के खिलाफ जारी तलाक की कार्यवाही बेटी को अमेरिका न ले जाने की अनुमति न देने का वैध आधार नहीं हो सकती है। याचिका में पति ने मांग की थी कि उसकी पांच साल की बेटी को अमेरिका ले जाने की अनुमति देने की मांग की थी।

आरबीआई ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

-निर्मला सीतारमण और शक्तिकांत दास के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद आरबीआई के ऑफिस में हडकंप मच गया है। ईमेल भेजने वाले ने खुद को खिलाफत इंडिया के होने का दावा किया है। ईमेल में मुंबई में 11 जगहों पर बम रखने की धमकी दी है। आरबीआई ऑफिस को एक धमकी भरा ईमेल आया, जिसमें कई जगहों पर बम रखने का दावा किया गया था। सूत्रों ने बताया कि ईमेल में लिखा था कि आरबीआई ऑफिस, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में बम रखा गया है। ईमेल के माध्यम से आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की गई। मुंबई में कुल 11 जगह बम रखे होने की धमकी दी गई है। इस ईमेल के मुताबिक, धमाका आज दोपहर डेढ़ बजे के करीब होना था। हालांकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। पुलिस ने सभी जगह जाकर जांच की लेकिन कहीं भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इस संदर्भ में एमआरए मार्ग पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला द्वारा जबरन पति की नपुंसकता जांच करवाना मानसिक क्रूरता : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में पति-पत्नी के विवाद में एक अनोखा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला का अपने पति पर यह आरोप लगाना कि दफ्तर की महिला संग उसके चक्कर है, एक तरह की मानसिक क्रूरता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई महिला अपने पति की मर्दानगी के बारे में आरोप लगाती है, पति को नपुंसक कहती है और नपुंसकता जांच के लिए मजबूर करती है, तब वह भी मानसिक क्रूरता है। जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा अपने पति की मर्दानगी के बारे में आरोप लगाना बहुत निराशाजनक और मानसिक रूप से दर्दनाक हो सकता है जो अंतत : पति की मानसिक क्रूरता और उत्पीड़न में योगदान देता है। पीठ ने कहा कि दहेज की मांग का आरोप लगाना, विवाहेतर संबंधों के आरोपों के साथ-साथ पति को नपुंसकता परीक्षण से गुजरने के लिए मजबूर करना और उस महिलावादी कहना मानसिक पीड़ा और आघात पैदा करने के लिए पर्याप्त हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अपीलकर्ता (पत्नी) की स्वीकारोक्ति से यह स्थापित होता है कि प्रतिवादी को नपुंसकता परीक्षण से गुजरना पड़ा, जिसमें वह फिट पाया गया। यह स्पष्ट रूप से, किसी व्यक्ति की मर्दानगी के बारे में इस तरह के दावे और आरोप न केवल निराशाजनक हैं बल्कि किसी भी व्यक्ति के लिए इस स्वीकार करना मानसिक रूप से दर्दनाक भी है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में निष्कर्ष निकाला कि पति के खिलाफ पत्नी का आरोप लापरवाही भरा, अपमानजनक, और निराधार था, और वह सार्वजनिक तौर पर जीवनसाथी की छवि को खराब करने वाला और अत्यधिक क्रूरता वाला कृत्य है। अदालत ने क्रूरता के आधार पर तलाक देने के पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला की अपील याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं हैं। इस जोड़े की शादी साल 2000 में हुई थी और उनका एक बेटा भी है। उनकी शादी के शुरुआती सालों में ही विवाद पैदा हो गए थे। पति का आरोप है कि पत्नी हमेशा बुरा-भला कहती थी। वह लोगों को बताती थी कि उसकी सास उस पीटती है और उसके पति के विवाहेतर संबंध हैं और उसके परिवार ने दहेज लिया है। पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उसका जबरन नपुंसकता जांच भी करवाया, जिसमें वह पास हो चुका था।

अंजू का कबूलनामा : नसरुल्ला से कर चुकी है निकाह

-भविष्य में पाकिस्तान जाना चाहती हूं

जयपुर । पाकिस्तान में अपने प्रेमी नसरुल्ला के साथ करीब 4 महीने रहने के बाद लौटी अंजू ने पहली बार अपने सीमा पार रिश्ते का पूरा सच कबूल किया है। अंजू ने पहली बार स्वीकार किया है कि वह नसरुल्ला से निकाह कर चुकी है। अब तक अंजू अपना निजी मामला बताकर निकाह की बात को ना स्वीकार कर रही थी और ना ही खारिज करती थी। अंजू ने कहा है कि वह अभी नसरुल्ला और अरविंद दोनों की पत्नी है। भिवाड़ी में पहले पति अरविंद और दो बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान गई अंजू ने कहा कि फेसबुक के द्वारा उसकी दोस्ती नसरुल्ला से हुई थी। कुछ दिनों फेसबुक पर बात करने के बाद दोनों वॉट्सएप पर बात करने लगे और दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। अंजू ने कहा कि उसका पति अरविंद के साथ रिश्ता ठीक नहीं चल रहा था। नसरुल्ला के साथ उसके रिश्ते के बारे में उसकी बेटी जानती थी। अंजू ने कहा कि पाकिस्तान जाते वक्त उसने किसी को नहीं बताया था, क्योंकि ऐसा करने पर उसे जाने नहीं दिया जाता। अंजू कहती रही थी कि वह पाकिस्तान सिर्फ घूमने के लिए गई थी। लेकिन पहली बार अंजू ने कहा है कि वह नसरुल्ला से शादी करने के लिए पाकिस्तान गई थी। पाकिस्तान जाने के चार दिन बाद ही नसरुल्ला से इस्लामिक रीति-रिवाज के मुताबिक निकाह कर लिया था। अंजू ने कहा कि वह शादी के कुछ दिन बाद ही वापस भारत लौटना चाहती थी लेकिन माहौल सही नहीं होने और घरवालों के नाराज होने की वजह से उसे 4 महीने 8 दिन तक पाकिस्तान में रहना पड़ा। अंजू ने स्वीकार किया है कि उसने अपना धर्म बदल लिया है। अंजू ने साफ कहा, हां, मैंने शादी करने के लिए धर्म बदल लिया है। जाहिर सी बात है जिसके साथ शादी कर रहे हैं, उसका धम...। अंजू ने कहा कि अभी वह दिल्ली के पास कहीं रह रही है और दोनों बच्चे भी उसके साथ ही हैं। अंजू ने कहा कि उसकी पहले पति अरविंद से अभी मुलाकात नहीं हुई है। लेकिन फोन पर बातचीत हुई है। भविष्य को लेकर अंजू ने कहा कि उसने अभी तलाक की प्रक्रिया शुरू नहीं की है। लेकिन संकेत दिए कि वह भविष्य में ऐसा कर सकती है। अंजू ने कहा कि वह आगे नसरुल्ला के साथ ही रहना चाहती है।

ममता बनर्जी को उनके ही गढ़ में घेरने की तैयारी में बीजेपी, अमित शाह-नड्डा ने बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को भाजपा के पश्चिम बंगाल डिवीजन ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए 15 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति की स्थापना की। प्रमुख सदस्यों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित राज्य के कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। समिति ने आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए मंगलवार को कोलकाता में एक बैठक की। अमित शाह और जेपी नड्डा मंगलवार को कोलकाता पहुंचे जहां हवाई अड्डे पर पार्टी सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

समिति के मुख्य सदस्य हैं- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, राज्य पार्टी प्रमुख सुकांत मजूमदार, सांसद दिलीप घोष, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, अमिताभ चक्रवर्ती, सतीश ढांड, मंगल पांडे और आशा लोकरा। समिति में पांच महासचिव भी हैं, जिनमें सांसद लॉकेट चटर्जी, आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा पॉल, जगन्नाथ चटर्जी, जतिर्मय सिंह महत और दीपक बर्मन शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा क्षेत्र हैं। 2019 में, तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें जीतीं, लेकिन भाजपा से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जिसने 18 सीटें जीतीं। बाकी दो सीटें कांग्रेस के खाते में गईं। आगामी चुनावों के लिए, अमित शाह ने 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है और नए साल से पहले पार्टी सदस्यों के साथ रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। भाजपा पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में भी पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगाई थी।

विधानसभा चुनाव में पार्टी 200 प्लस का लक्ष्य लेकर चली थी। हालांकि वह 77 सीटें ही जीत सकी। हालांकि, पार्टी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा और उसने लगभग 38 फ़ीसदी वोट को प्राप्त किया था। 2024 चुनाव में भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल जरूरी है। 18 तो वह जीतना चाहती ही हैं, साथ ही 35 प्लस के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर देखें तप पश्चिम बंगाल को लेकर भाजपा लगातार नए प्लान बना रही है और उसे जमीन पर रणनीति के तहत उतारने की कोशिश में है। ऐसे में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की भी मुश्किल पढ़ने वाली है।

फारूक अब्दुल्ला ने चेताया, भारत-पाक के बीच नहीं हुई बात तो गाजा-फलस्तीन जैसा होगा हश्र

जम्मू । नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत नहीं होती है तो कश्मीर का हश्र गाजा और फलस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल द्वारा बमबारी की जा रही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्वी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। अगर हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रवत रहेंगे तो दोनों प्रगति करेंगे। नेकां अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी ने भी यह कहा है कि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है और मामले में बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। तो उन्होंने पूछा कि बातचीत कहां है। उन्होंने आगे कहा, नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या कारण है कि हम बात करने के लिए तैयार नहीं हैं ? यदि हम बातचीत के माध्यम से कोई समाधान नहीं ढूंढते हैं, तो हमारा हश्र गाजा और फिलिस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल बमबारी कर रहा है...।

टैक्सपेयर्स के पैसे की बेशर्मी से बर्बादी, खरगे ने सेल्फी बूथ को लेकर मोदी सरकार को बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर पीएम मोदी की तस्वीरों के साथ सेल्फी बूथ स्थापित करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह करदाताओं के पैसे की खुलेआम बर्बादी है। मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत प्रदान नहीं की है। विपक्ष शासित राज्यों की मनरेगा निधि भी लंबित है। लेकिन इसमें इन सस्ते चुनावी स्टंटों पर उदारतापूर्वक सार्वजनिक धन खर्च करने का दुस्साहस है! खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेल्फी बूथ पर मध्य रेलवे द्वारा सूचना के अधिकार की प्रतिक्रिया साझा की गई है।

मुंबई स्थित एक कार्यकर्ता के अनुरोध के जवाब में, मध्य रेलवे ने उन स्टेशनों को सूचीबद्ध किया जहां क्रमशः ?1.25 लाख और ?6.25 लाख की अनुमोदित लागत पर अस्थायी और स्थायी सेल्फी बूथ स्थापित किए गए थे। खरगे ने पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार द्वारा आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है! रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करके करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी। इससे पहले, सशस्त्र बलों को मोदी जी के प्रमुख कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी पॉइंट स्थापित करने का आदेश देकर हमारे बहादुर सैनिकों के खून और बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया था।

अक्टूबर में दिल्ली में रेलवे बोर्ड ने सितंबर में 19 जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को स्टेशनों पर सेल्फी बूथ लगाने के लिए कहा था। टिकाऊ 3डी फाइबर मूर्तियों, ऐक्रेलिक बोर्ड, ग्लास और एकीकृत प्रकाश व्यवस्था के साथ डिजाइन किए जाने वाले ये बूथ फाइबर, मिट्टी या प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) जैसी सामग्रियों से तैयार की गई 3डी मूर्तियां प्रदर्शित करते हैं।

भारत ने अरब सागर में तैनात किए 3 वॉरशिप

-ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस आईएनएस इंफाल नौसेना में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती घुसपैठ के बीच नया स्टील्थ गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस इंफाल वॉरशिप भारतीय नौसेना में शामिल हो गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस इंफाल को मुंबई डॉकयार्ड में कमीशंड किया। यह वॉरशिप नौसेना की पश्चिमी कमान में शामिल होगा। यह डिस्ट्रॉयर वॉरशिप सतह से सतह पर मार करने वाली 8 बराक और 16 ब्रह्मोस एंटीशिप मिसाइल, सर्विलांस रडार, 76एमएम रैपिड माउंट गन, एंटी सबमरीन टॉरपीडो से लैस है। रक्षा मंत्रालय के मुंबई स्थित शिपयार्ड मझगांव डॉकशिप बिल्डर्स लिमिटेड ने इंफाल को बनाया है। वहीं भारतीय नौसेना ने अरब सागर में 3 युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। इनमें आईएनएस मोरमुगाओ, आईएनएस कोलकाता और आईएनएस कोच्चि शामिल हैं। इसके अलावा लगातार निगरानी और इलाके के बारे में जानकारी बनाए रखने के लिए पी-8आई विमान को भी तैनात किया गया है। इसके अलावा पश्चिमी नेवल कमांड मैरीटाइम ऑपरेशन सेंटर भी दूसरी एजेंसियों और कोस्ट गार्ड के साथ इलाके में निगरानी करेगा।

इस वॉरशिप को बंदरगाह और समुद्र में टेस्टिंग के बाद 20 अक्टूबर 2023 को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया था। इंफाल पहला वॉरशिप है, जिसका नाम नॉर्थ ईस्ट के एक शहर पर रखा गया है। इसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल 2019 को मंजूरी दी थी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि 23-24 दिसंबर को पहले एम/वी केम प्लूटो और फिर साईबाबा जहाज पर हुए हमलों की जांच की जा रही है। भारत सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है। इन हमलों के लिए जो भी जिम्मेदार है, उन्हें समुद्र की गहराइयों से भी ढूंढ निकाला जाएगा। आईएनएस इम्फाल से जुड़े एक इवेंट में रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने समुद्री इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। हमले के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई जरूर की जाएगी। दरअसल, 23 दिसंबर को मेंगलुरु आ रहे एक मर्चेंट वेसल केम प्लूटो पर हिंद महासागर में ड्रोन से हमला किया गया था। केम प्लूटो जहाज सोमवार को मुंबई के तट पर पहुंचा। इसके बाद नौसेना ने इसकी जांच की। उन्होंने बताया कि जहाज पर हमला तब हुआ था जब यह भारत के तट से 400 किमी दूर था। नेवी ने कहा- जहाज पर जो मलबा मिला है, उससे इस बात की पुष्टि होती है कि उस पर ड्रोन से हमला किया गया था।

ओपिनियन पोल में इस राज्य में पीएम मोदी पर भारी पड़े राहुल गांधी

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी, कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। अगले साल होने वाले आम चुनाव के लिए मुद्दों, उम्मीदवारों से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक की रणनीति बननी शुरू हो गई है। इस बीच देशभर में ओपिनियन पोल किया है। ओपिनियन पोल में लोगों के मतदान, लोकसभा चुनाव में मुद्दे से लेकर कई सवाल पूछे गए हैं। ओपिनियन पोल में सीधे पीएम चुनने को लेकर भी सवाल किया गया। इस चुनाव में देश के सभी राज्यों में नरेंद्र मोदी राहुल गांधी पर भारी दिखे। हालांकि, सर्वे में एक राज्य ऐसा भी था जहां पीएम के रूप में राहुल गांधी नरेंद्र मोदी पर भारी पड़े। दरअसल ओपिनियन पोल सर्वे में लोगों से सवाल किया गया कि अगर सीधे प्रधानमंत्री चुनना हो तब वे नरेंद्र मोदी या राहुल गांधी में से किसे चुनने वाले हैं। सर्वे में पीएम मोदी यूपी, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, गुजरात से लेकर गोवा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारी पड़े। हिमाचल प्रदेश में मोदी को 72 प्रतिशत तब राहुल को महज 26 फीसदी लोग ही पीएम के रूप में देखना चाहते थे। सर्वे में पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य था जहां राहुल गांधी नरेंद्र मोदी पर भारी पड़े। सर्वे ने दिखाया कि पंजाब के लोगों के दिल में राहुल गांधी कितने बसे हुए हैं। सर्वे में 36 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को सीधा प्रधानमंत्री के रूप में चुनने की बात कही। वहीं, नरेंद्र को प्रधानमंत्री के रूप में देखने वाले लोगों 35 प्रतिशत थे।

दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले... स्कूल जाने वाले छात्रों के अभिभावक चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश और दुनिया में कोरोना संक्रमण के मामलों में फिर से इजाफा हो रहा है। फिर से देश में भी कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। देश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के कुल 412 मामले सामने आए है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखकर अब अभिभावक भी परेशान हो गए है। स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावक कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सकते में आ गए है। इसी बीच अभिभावकों ने मांग शुरू कर दी है कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी को देखकर स्कूलों को संबंधित दिशा निर्देश जारी करने चाहिए। इस बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि दिल्ली में तीन से चार कोरोना संक्रमण के मामले रोजाना देखने को मिल रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली इस वायरस से लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार तक देश में कोरोना वायरस संक्रमण के सब वेरिएंट जेएन.1 के 63 मामले सामने आए थे। देश भर में वेरिएंट जेएन.1 के सबसे अधिक मामले 34 हैं, जो कि गोवा में देखने को मिले है। इस बीच अभिभावक भी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे मामलों की स्थिति को देखकर गंभीर हो गए है। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के पेरेंट्स एसोसिएशन के सदस्य ने बताया कि शहर में अभिभावकों के लिए स्थिति गंभीर नहीं बल्कि डरावनी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को स्वत:-संज्ञान लेकर एहतियाती कदम उठाने चाहिए और सामाजिक दूरी और मास्क सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर हम व्यक्तिगत रूप से अपने बच्चों पर मास्क थोपने की कोशिश करते हैं, तब इसका कोई फायदा नहीं होगा

आम चुनाव से पहले नीतिश का बड़ा दांव....4 लाख शिक्षकों को तोहफा

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार कैबिनेट की बैठक हुई, इसमें कुल 29 प्रस्तावों पर मुहर लगी। मंत्रिमंडल की बैठक में नीतीश सरकार ने नियोजित शिक्षकों को नए वर्ष का बड़ा तोहफा दिया। बताया जाता है कि इसका फायदा बिहार के लगभग 4 लाख शिक्षकों को मिलेगा। जल्द ही शिक्षा विभाग की ओर से सक्षमता परीक्षा आयोजित की जाएगी, उसके बाद नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाएगा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 29 प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली, 2023 को मंजूरी मिली। इस नियमावली के गठन के बाद वर्तमान में पंचायतीराज और नगर निकाय संस्था अंतर्गत नियुक्त, कार्यरत टीचर और पुस्तकालयाध्यक्ष को फायदा मिलेगा।

बिहार में करीब पौने चार लाख नियोजित शिक्षक लंबे समय से राज्यकर्मी का दर्जा पाने की मांग कर रहे थे। लोकसुभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश ने इसपर मुहर लगा दी है।

हालांकि सभी शिक्षक राज्यकर्मी तब कहलाएंगे जब वह बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित सक्षमता परीक्षा को पास कर लेगा। इसतरह के पौने 4 लाख शिक्षक यह परीक्षा देगा। रिजल्ट आने पर इसमें उत्तीर्ण होने वाले सभी शिक्षकों विशिष्ट शिक्षक का दर्जा दे दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जल्द ही शिक्षा विभाग की ओर से सक्षमता परीक्षा आयोजित की जाएगी। उसके बाद नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दे दिया जाएगा। इस फैसले के साथ-साथ कैबिनेट में 29 और एजेंडा पर मुहर लगाई गई है। शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक को खाली पदों पर दो महीने के भीतर भर्ती करने का निर्देश दिया था और कहा थी कि राज्य के सभी नियोजित शिक्षकों को सरकारी कर देंगे. दूसरी तरफ जिन नियोजित शिक्षकों ने बीपीएससी परीक्षा पास कर ली है, उन्हें परीक्षा देने की जरूरत नहीं होगी।

बिहार पर्यटन नीति-2023 को मंजूरी

नियोजित शिक्षक लंबे समय से राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना समग्र समावेशी विकास और निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए बिहार पर्यटन नीति-2023 को स्वीकृति दी गई।

लोकसभा चुनाव से पहले ईवीएम बनेगी सियासी मुद्दा, जानकार करा रहे होमवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब ईवीएम राजनैतिक दलों के निशाने पर है। हारने वाले इसका विरोध करते हैं तो जीतने वाले समर्थन। खामियां हैं भी या नहीं है इसको लेकर फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं है। लेकिन ये जरुर है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में ईवीएम का मुद्दा जरुर उठेगा। इसकी आशंका इसलिए है कि तकनीकी के जानकार ईवीएम में छेड़छाड की संभावना व्यक्त कर रहे है। मतलब राजनैतिक दलों के लिए ऐसी संभावनाओं से भरा होमवर्क सियासी हथियार के तौर पर उपयोग हो सकता है।राजीव गांधी के मित्र और देश में सूचना क्रांति के जनक कहे जाने सैम पित्रोदा उर्फ सत्यनारायण विश्वकर्मा यूपीए सरकार में भी ज्ञान आयोग के चेयरमैन रहे हैं। उनका कहना है कि ईवीएम को अपने हिसाब से कंट्रोल किया जा सकता है। उसमें दखल संभव है। सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत में इस समय उपयोग की जा रही ईवीएम मशीन स्टैंड अलोन मशीन नहीं है। ईवीएम मशीन के साथ जब वीवीपैट मशीन को जोड़ा गया था, तभी से समस्या शुरू हुई। वीवीपैट एक अलग डिवाइस है, जिसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर होता है। वीवीपैट को ईवीएम से जोड़ने के लिए एक स्पेशल कनेक्टर इस्तेमाल किया जाता है। इसे एसएलयू कहते हैं। यह एसएलयू बहुत से सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि एसएलयू कनेक्टर ही वीवीपैट में यह दिखाता है कि किस बटन से बीजेपी को वोट मिला, किस बटन से कांग्रेस को और किस बटन से अन्य को। वोटिंग से पहले इसे प्रोग्राम किया जाता है। एसएलयू जोड़ने के बाद ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन नहीं रह जाती। इसमें हर तरह के वह काम किए जा सकते हैं, जिनकी बात हो रही है। इसलिए हम चाहते हैं कि वीवीपैट से जो पर्ची निकलती है, वह अभी थर्मल प्रिंटर से निकलती है और उसे कुछ हफ्ते तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है। उसकी जगह ऐसा प्रिंटर इस्तेमाल किया जाए, जिससे निकली पर्ची को अगले 5 साल तक सुरक्षित रखा जा सके।

सैम पित्रोदा ने कहा कि राजनीतिक दलों को ईवीएम के खिलाफ आंदोलन चलाना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान चलाना चाहिए। जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। जरूरत पड़े तो नौजवानों को इसके खिलाफ सड़क पर उतरकर आंदोलन करना चाहिए। राजनीतिक दलों को ईवीएम से चुनाव के बहिष्कार के विकल्प पर भी विचार करना चाहिए। राहुल गांधी ईवीएम के मुद्दे को लेकर गंभीर हैं। इस पर मेरी उनसे बातचीत हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये पर्ची केवल कुछ समय के लिए ही वोटर को ना दिखाई दी जाए, बल्कि एक कागज पर प्रिंट होकर उसे मिले, जिसे वह अलग से रखे एक बॉक्स में वोट के रूप में डाल सके। यह बॉक्स किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से जुड़ा ना हो। उसके बाद बक्से में डाली गई वोट की पर्चियों की गिनती की जाए। उन्होंने कहा कि भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों के टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ईवीएम में निश्चित तौर पर कुछ समस्या है, लेकिन भारतीय निर्वाचन आयोग और सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। एक प्रोफेशनल होने के नाते मैं कह रहा हूं कि जरूरी नहीं है कि हेराफेरी की ही गई हो, लेकिन मुझे पूरी आशंका है कि ईवीएम में हेराफेरी की जा सकती है। मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकता कि ईवीएम में सबकुछ ठीक है। ईवीएम को लेकर विश्वास का संकट खड़ा हो गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा जीआईडीसी में रानी सती मिल में भीषण आग, करोड़ों का कपड़ा जला

सूरत के दमकल की १० गाड़ियां मौके पर पहुंची, कारीगरों में भगदड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी स्थित एक मिल में अचानक आग लग गई। मिल की तीसरी मंजिल पर फ्यूजन मशीन में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई। फायर स्टेशन की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन करोड़ों का कपड़ा जल गया।

सूरत में कपड़ा मिलों और फैक्ट्रियों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मिलों में बॉयलर मशीनें फटने या केमिकल के कारण आग लगने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। फिर इसी तरह एक और मिल में आग लगने की घटना घटी है। सूरत के पांडेसरा जीआईडीसी इलाके में रानी सती मिल में आज अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग मिल तक फैल गई और भीषण रूप धारण कर लिया। कारीगरों और आसपास भीड़ लग गई।

रानी सती मिल में आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गयी। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को मिलने के बाद चार फायर स्टेशनों से करीब १० गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। भेस्तान, डिंडोली, मान दरवाजा और मजूरा दमकल विभाग मौके पर पहुंचा। अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर पानी फेंककर तय समय में आग पर काबू पा लिया। सौभाग्य से इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

माना जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है

घटना के संबंध में सब फायर ऑफिसर नरोत्तमभाई खलासी ने बताया कि पांडेसरा जीआईडीसी स्थित रानीसती मिल की फ्यूजिंग मशीन में आग लग गई। माना जा रहा है कि आग मशीन में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है आग के कारण ग्रे कपड़ा और पुठ्ठा का रोल (पेकेजिंग मटेरियल) आग की चपेट में आ गया और सारा सामान जल गया। आग की सूचना मिलने पर भेस्तान, मजूरा, डिंडोली और मानदरवाजा अग्निशमन केंद्रों से गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। हालांकि, आग पर काबू पा लिया गया और बाकी दमकल गाड़ियों को वापस भेज दिया गया।

एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का इस्तेमाल शुरू पहली फ्लाइट के यात्रियों ने काटा केक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन १७ दिसंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस नए टर्मिनल भवन की घरेलू सेवाएं शुरूहो चुकी हैं।

सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के भूतल से घरेलू सेवा और पहली मंजिल से अंतर्राष्ट्रीय सेवा संचालित होगी

गुलाब का फूल लेकर दिल्ली से सूरत आए यात्री से केक कटवाया गया। नई सुविधा में, घरेलू सेवा सूरत हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के भूतल से और अंतर्राष्ट्रीय सेवा पहली मंजिल से संचालित होगी।

जनवरी २०१९ में प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास के बाद २०२३ में इसका शुभारंभ किया गया। २५ दिसंबर से टर्मिनल बिल्डिंग को यात्रियों के लिए उपयोग में भी ले लिया गया है। ऐसे में पहली फ्लाइट में आए यात्रियों के लिए दीप जलाने से लेकर केक काटने तक का काम किया गया।

सूरत हवाई अड्डे का नए टर्मिनल पर सेवाए शुरू

नई टर्मिनल बिल्डिंग की तस्वीरों से लेकर हर तरफ सूरत की ऐतिहासिक विरासत की झलक नजर आ रही है। सूरत के लकड़ी के नक्काशीदार घरों की झलक अब हवाई अड्डे पर उतरने वाले यात्रियों को भी दिखाई देगी। सूरत हवाई अड्डे को सभी यात्रियों के लिए और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

नगर निगम ने बीआरटीएस दुर्घटनाओं के लिए बनाई शून्य दुर्घटना नीति,चालक सहित ठेकेदारों की अब खैर नहीं

सूरत के बीआरटीएस रूट पर हो रहे हादसों को लेकर नगर निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सख्त नियम बनाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने बीआरटीएस रूट पर होने वाले हादसों की जानकारी दी। इस जानकारी के मुताबिक, अब से कोई दुर्घटना होने पर ड्राइवर-कंडक्टर समेत बस एजेन्सी ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई के कदम उठाने की नीति बनाई गई। नगर निगम में मंगलवार को पदाधिकारियों की महत्वपुर्ण बैठक हुई जिसमें जीरो एक्सटेंड पॉलिसी के तहत नये नियमों को अंतिम रूप दिया गया।

शहर में सिटी बस और बीआरटीएस बसों की दुर्घटनाओं के कारण मंगलवार को महापौर दक्षेश मावाणी, अध्यक्ष सोमनाथ मराठे, नेता स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, परिवहन समिति के ड्राइवर एवं कंडक्टर की योग्यता निर्धारित करना

विजिलेंस टीम ड्राइवर और कंडक्टर की ब्रेथ एनालाइजर से जांच कर प्रतिदिन रिपोर्ट बनाकर जिम्मेदार अधिकारी के माध्यम से सौंपे।

नशे की हालत में पकड़े जाने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं।

कर्मचारियों को कम वेतन देने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना।

चोरी, टिकट न देना, मारपीट जैसी बातें नोटिस करने वाले ड्राइवर, कंडक्टर और एजेंसियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करना।

ड्राइवर-कंडक्टर का मेडिकल

नए नियमों में

फिटनेस प्रमाण पत्र स्मीमेर अस्पताल द्वारा नामित डॉक्टर से सात दिन के भीतर प्राप्त कर जमा कराना होगा।

सात दिन के भीतर स्थानीय थाने से चरित्र प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।

बस में क्या सुविधाएं होनी चाहिए इसकी एक चेकलिस्ट बनाएं. प्रत्येक माह जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर पर सत्यापन कर रिपोर्ट देना।

बस टेंडर शर्तों की जांच करे

जिन बसों में डिजिटल बोर्ड नहीं लगे हैं उन्हें तत्काल चालू करें।

विजिलेंस टीम की जांच में अगर कोई भी आगंतुक बिना टिकट पाया गया तो न केवल शासक पक्ष शशीबेन त्रिपाठी की उपस्थिति में नगर निगम कंडक्टर बल्कि एजेंसी पर भी सूरत नगर निगम के वित्तीय गबन की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी और स्थायी रूप से नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाएगा।

यदि संबंधित एजेंसियों का मुख्य जिम्मेदार व्यक्ति बैठक में उपस्थित नहीं है तो उन्हें कारण बताओ नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगें तथा ब्लैकलिस्टेड की कार्रवाई करें।

अब भविष्य में छोटी-बड़ी दुर्घटना होने पर चालक समेत एजेंसी के खिलाफ अपराध दर्ज किया जाएगा।

क्रॉसिंग पर गति सीमा ० होनी चाहिए। साथ ही यह भी आयुक्त शालिनी अग्रवाल, विभागीय अधिकारी और बस ओपरेटर एजेन्सी के ठेकादरों की घनिष्ठ चर्चा विचारना के निगरानी की जा रही है कि बस निर्धारित गति सीमा के अनुसार चले।

यात्री को बस स्टॉप के अलावा कहीं भी न उतारें

भविष्य में किसी भी घटना की स्थिति में नकद सहायता का भुगतान कंपनी के बिल से किया जाएगा।

दुर्घटना करनेवाले किसी भी चालक के लाइसेंस को निलंबति करने के लिए नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

एक साल में बीआरटीएस और सिटीलिंक मोबाइल-पैसे चोरी, मारपीट के अपराधों में थाने से सूचना प्राप्त कर कार्रवाई करें।

बाद नगर निगम ने झीरो दुर्घटना पोलिसी के नए नियम बनाए। इसके अलावा शासकों ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को मुआवजा तथा घायलों को आर्थिक सहायता देने की योजना बनाई है। इसके अलावा शासकों ने नगर निगम आयुक्तसे कहा की दुर्घटना होने पर बस चालक, बस ओपरेटर एजेन्सी के साथ संबंधित अधिकारियों पर भी कार्यवाही की मांग की है।

महापौर दक्षेश मावानी, स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल, सत्ताख्ढ़ दल के नेता शशिबेन त्रिपाठी, सार्वजनिक परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे की उपस्थिति में, नगर निगम आयुक्तशालिनी अग्रवाल ने अधिकारियों और बस ऑपरेटर ठेकेदारों के साथ लंबी चर्चा के बाद नए नियम बनाए हैं।

अवैध टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित कर अंतरराष्ट्रीय कॉलों को स्थानीय कॉलों पर डायवर्ट करने के रैकेट का पर्दाफाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महिधरपुरा इलाके में अवैध रूप से टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय कॉल को स्थानीय कॉल में बदलने के चल रहे रैकेट को गति देने के लिए गुजरात एटीएस और सूरत की अपराध शाखा टीम ने एक संयुक्त अभियान चलाया। दूरसंचार विभाग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन कर चलाए जा रहे रैकेट में दो आरोपियों को २.४८ लाख के माल के साथ गिरफ्तार किया गया है। जबकि दुबई में रहने वाले आरोपियों सहित चार लोगों को वांछित घोषित किया गया है, सूरत क्राइम ब्रांच ने आगे की जांच की है। गुजरात एटीएस देश विरोधी गतिविधियां करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रख रही है। देश को आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को पकड़ने के लिए एटीएस ने बड़ी मशक्कत की है। सूरत क्राइम ब्रांच और गुजरात एटीएस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि सूरत के महिधरपुरा इलाके में अवैध रूप से टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित कर नियमों का उल्लंघन कर अंतरराष्ट्रीय कॉल को लोकल कॉल में बदलने का रैकेट चल रहा है जो दूरसंचार विभाग की गाइडलाइन का भंग है। क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर महिधरपुरा में चल रहे एक अवैध टेलीफोन एक्सचेंज पर छापा मारा। वहां से सौरभ चिन्मय सरकार और प्रेम उर्फ बोनी बिपिनचंद्र रंगे हाथ पकड़े गए जो आईएसडी कॉल को लोकल कॉल कॉल में बदलने का रैकेट चला रहे थे। भवानी विला की तीसरी मंजिल पर पुलिस ने फायरवॉल समेत अलग-अलग कंपनियों के २८ सिम बॉक्स जब्त किए, जिनकी कीमत २.४८ लाख है। दोनों आरोपियों से की गई पूछताछ के मुताबिक, यह रैकेट मुख्य रूप से जिगर दीपकभाई टोपीवाला द्वारा संचालित किया

एटीएस द्वारा गिरफ्तार आरोपी और मालसामान

नेटवर्क दुबई से जिगर टोपीवाला द्वारा संचालित होता था, सूरत में दो आरोपी गिरफ्तार

किरण जेम्स ब्रांच-२ डी मिलन के ८० रत्नकलाकार बर्खास्त

२० सालों से काम कर रहे कारीगर बोले- 'अब कहां जाएंगे'

नौकरी के निकाले गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के बाद से हीरा उद्योग पर मंदी के बादल मंडरा रहे हैं। जो अब और घने काले होते नजर आ रहे है। सूरत के कापोद्रा इलाके में किरण जेम्स ब्रांच-२डी मिलन के ८० से ज्यादा हीरा श्रमकों (रत्नकलाकारों) को नौकरी से निकाल दिया गया। कारीगरों को बिना कोई कारण बताए नौकरी से निकाल दिया गया है और वे बेरोजगार हो गए हैं। तब २० साल से एक ही जगह काम कर रहे रत्नकलाकारों ने कहा कि ऐसे समय में अब हम कहां जाएं, क्योंकि उन्हे अब कोई रखेगा नहीं और दुसरा काम जमेगा नही।

रत्नकलाकार चतुरभाई ने बताया कि कापोद्रा क्षेत्र में कर्मनाथ मंदिर के सामने स्थित किरण जेम्स की शाखा जो डी मिलन के नाम से जानी जाती है। मेरे साथ ८० से अधिक कारीगरों को नौकरी से रिहा कर दिया गया हैं। हमें दूसरी कंपनी में ट्रांसफर करने के लिए कहा गया है। इसलिए हमारी मांग है कि हमें ३ महीने की सैलरी के साथ बर्खास्त किया जाए। बिना कोई कारण बताए दूसरी कंपनी में ट्रांसफर किए जाने की बात से कारीगर भड़क गए। रत्न कलाकार संघ में ज्ञापन देने पहुंचे कारीगरों ने विरोध दर्ज कराया है। कारीगरों की मांग है कि हमें तीन महीने का वेतन और ग्रेच्युटी दी जाए ताकि हम कुछ समय तक अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें।